RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 103 , बुधवार, 27 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

वीडियो वायरल होते ही हरकत में आए एसपी स्वर्ण प्रभात, शराब माफियाओं पर चला बड़ा डंडा 03

अपनी माटी अपना देश' थीम पर झरोखर बॉर्डर से शुरू होगी राष्ट्रीय चेतना यात्रा, बच्चों में ... 04

अकेले रहना आत्मविश्वास की पहचान हैः रिद्धि डोगरा 07

भारतीय रेलवे ने दी पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को मंजूरी

- दिल्ली डिवीजन के जींद-सोनीपत खंड पर होगा ट्रायल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को लेकर मंजूरी दे दी है। इसको लेकर रेलवे बोर्ड ने 22 मई, 2026 को आरडीएसओ और उत्तरी रेलवे को लिखे पत्र में 10 डिब्बों वाली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करने की स्वीकृति दी है।

रेलवे बोर्ड ने यह भी बताया कि यह ट्रेन दिल्ली डिवीजन के जींद-सोनीपत खंड पर अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। इसे रेलवे में तकनीकी कायाकल्प के लिहाज से एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड ने लिखा पत्र-भारतीय रेलवे ने अपने पत्र में लिखा, रेलवे सुरक्षा के मुख्य आयुक्त ने

16.03.2026 को भेजे गए आवेदन के संबंध में रेल मंत्रालय की स्वीकृति के संबंध में रेलवे बोर्ड उत्तरी रेलवे के समर्पित खंड (जिंद-सोनीपत) पर 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक चलने वाले 10 डिब्बों की हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित डीपीआरएस 1200 किलोवाट डीएमयू कोचों को शुरू करने की अनुमति दी गई है।

भारत के लिए क्यों अहम?

जानकारी के मुताबिक ट्रेन का परिक्षण पूरा हो गया है। यह परीक्षण मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा आयोजित किया गया था। इसके व्यावसायिक सेवा में शामिल होने के साथ ही भारत, जर्मनी, स्वीडन, जापान और चीन सहित उन चुनिंदा वैश्विक देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जो हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों का संचालन करते हैं।

राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

- सुबह में मंगला आरती हुई, 56 भोग लगाया, माँ सरयू की महाआरती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम परिवार यानी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मंगलवार को मनाई गई। पूरे दिन सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग आयोजन होंगे।

इस दौरान राम दरबार का विशेष श्रृंगार होगा। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया जाएगा। भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा। मां सरयू की 5051 बत्ती की महाआरती उतारी।

सुबह 4 बजे मंगला आरती से हुई कार्यक्रमों की शुरुआत–सुबह 4 बजे भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया गया। इस दौरान कई संत और महंत परिसर में मौजूद रहे।

- अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूपी, मप्र, राजस्थान को फटकार; फर्जी नंबर वाले वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंबल घड़ियाल अभयारण्य में लगातार बढ़ रहे अवैध रेत खनन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों को तत्काल प्रभाव से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों को निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी होगी और खाली पड़े वन रक्षक पदों पर जल्द भर्ती करनी होगी।

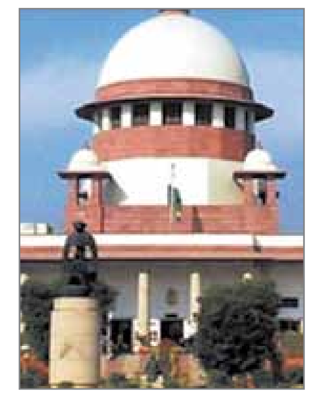

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में बिना नंबर और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों से अवैध रेत ढुलाई की मीडिया रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर रिपोर्ट सही है तो अधिकारियों ने अदालत में गलत हलफनामा दाखिल किया है।

- **सीसीटीवी और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश**– सुप्रीम कोर्ट ने तीनों राज्यों को प्रभावित इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल सेंटर और मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यह काम युद्ध स्तर पर किया जाए और छह महीने के भीतर सभी निगरानी व्यवस्था पूरी तरह चालू होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन वाहनों का इस्तेमाल अवैध खनन में हो रहा है, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। फर्जी नंबर प्लेट या बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी पर लिखी शिवराज की किताब का विमोचन

- बोले- मैंने महसूस किया उनका कर्मयोगी स्वभाव

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने 35 साल के अनुभवों को किताब के रूप में पेश किया है। उन्होंने 'अपनापन : नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' नाम से पुस्तक लिखी है, जिसका विमोचन आज दिल्ली के पूसा स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स में सुबह 10 :30 बजे किया गया। इस पुस्तक का विमोचन पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने किया। समारोह में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान समेत करीब एक दर्जन राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।

'ढाई करोड़ की कार वाले गमले चुरा ले गए'

- लखनऊ में सीएम योगी बोले- मैंने सीसीटीवी देखा

लखनऊ (एजेंसी)। 'हम गमला लगाते हैं, तो कोई कार से आता है और गमला उठाकर ले जाता है। जितना कार का तेल लग रहा है, उतने में नया गमला ले सकते हो। ये चोरी का नया मॉडल है। अब हर जगह सीसीटीवी लगे हैं, हम

उससे देखते रहते हैं। पता लगता है कि ढाई करोड़ की कार से 45 रुपए के गमले चुरा रहे हैं। 45 रुपए के गमले खरीदकर आप घर में लगा सकते थे। आपका सम्मान भी रहता और शहर भी अच्छा दिखता। एक बार तो मेरे मन में आया था कि गमला चोरी करने वालों की फोटो चौराहे पर लगवाऊं, क्योंकि जो पैसा हम खर्च कर रहे हैं, वह जनता का है।

मुंबई मीरा रोड में बकरीद से पहले बवाल

- बकरों की कुर्बानी को लेकर सोसायटी में भिड़े दो गुट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मीरा रोड इलाके में ईद उल अजहा से पहले उस समय तनाव फैल गया, जब एक हाउसिंग सोसायटी में कुर्बानी के लिए लाए गए बकरों को लेकर विवाद शुरू हो गया। मामला पूनम क्लस्टर सोसायटी का

बताया जा रहा है, जहां कुछ स्थानीय निवासियों ने परिसर के अंदर बकरों को रखने का विरोध किया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दो पक्षों के बीच झड़प की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लेने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

- गृह मंत्री अमित शाह ने किया ऐलान

घुसपैठ पर सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी, जस्टिस नावलेकर होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के देश के वर्तमान और भविष्य के लिए बहुत बड़ी चुनौती बताया है। घुसपैठ को लेकर सरकार ने एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।

हाई लेवल कमेटी का गठन– उन्होंने कहा कि इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल कमेटी आन डेमोग्राफी चेंज की घोषणा की थी।

कमेटी में कौन-कौन शामिल

जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमिटी में जनगणना आयुक्त के साथ श्री दुर्गा शंकर मिश्रा रिटायर आईएएस श्री बालाजी श्रीवास्तव रिटायर आईपीएस और डॉ. शमिका रवि समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।

बॉर्डर पर लगेंगे एंट्री ड्रोन सिस्टम

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान प्रहरी सम्मेलन में कहा– मैं ऐतिहासिक चौकी सांचू पर आया हूं। मेरे मन में सांचू चौकी को देखने की इच्छा गृहमंत्री बनने से पहले भी थी। 1964 के भारत–पाक युद्ध में सांचू की आबादी 500 से ज्यादा थी। आरएसी की चौकी 500 मीटर पीछे रणजीतपुरा गांव में थी।

शुभेंदु सरकार की सख्ती के बाद हड़कंप

बांग्लादेश जाने के लिए बॉर्डर पर इकट्ठा हुए घुसपैठिए

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में अवैध घुसपैठ और बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज होने के बाद सीमा क्षेत्रों में हलचल बढ़ गई है। उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट स्थित हाकिमपुर सीमा चेकपोस्ट पर मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक जुट गए।

इनमें पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को ट्राली, बर्तन व सामान के साथ सीमा पार कर वापस बांग्लादेश जाने की प्रतीक्षा करते देखा गया। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को भी करीब 100 लोग सीमा चौकी के पास जमा हुए थे, जबकि बाहर 30 से 40 अन्य लोग इंतजार कर रहे थे।

म.प्र. पन्ना में खुदाई के दौरान कुआं धंसा, 5 की मौत

पन्ना (एजेंसी)। पन्ना जिले के एक खेत में कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। इसमें दबकर 5 मजदूरों की मौत हो गई। इनके नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल बताए गए हैं।

हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अजयगढ़ के बीहरपुरवा गांव में हुआ। मृतकों के परिजन का आरोप है कि हादसे के 3 घंटे के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी या कोई सरकारी टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने जेसीबी मंगाकर खुद रेस्क्यू अभियान चलाया। इसी देरी की वजह से मजदूरों को बचाया नहीं जा सका हादसे के शिकार आशीष, राजकुमार, रामपाल और चुन्नू यादव एक ही परिवार के सदस्य हैं।

ट्विशा डेथ केस

सीडीआर-सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने पर आज सुनवाई

सीबीआई पहुँची, सास गिरिबाला के घर

- डीसीपी बोले-जिस बेल्ट का फंदा बनाया, उसकी फोरेंसिक जांच जारी

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर भोपाल जिला कोर्ट में अलग-अलग आवेदन दायर किए गए हैं। इन पर भोपाल पुलिस की तरफ से कोई भी प्रतिवेदन कोर्ट में अब तक पेश नहीं किया गया है। इसका कारण सीबीआई द्वारा मामले की जांच अपने हाथ में लेना माना जा रहा है।

जल्द ही इस केस को सीबीआई कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की भी संभावना है। इससे पहले सोमवार रात सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ पर एफआईआर दर्ज की। इसमें दहेज में पैसों की डिमांड होने की बात मानी गई है।

जानकारी के अनुसार, ट्विशा के

परिवार की ओर से वकील अंकुर पांडे ने भोपाल कोर्ट में सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए आवेदन दिया है। वहीं, गिरिबाला सिंह की ओर से सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर एप्लीकेशन दी है। दोनों आवेदनों पर आज सुनवाई तय है।

सीबीआई ने एफआईआर को दोबारा दर्ज कराया– सीबीआई की टीम सोमवार को भोपाल पहुंची। एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया।

- **जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही, वह एफएसएल के पास**– उधर, ट्विशा के जिस जिमनास्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी। इसे लेकर सवाल उठे तो डीसीपी विकास कुमार शहवाल ने कहा– उस बेल्ट को पुलिस ने जब्त कर लिया था। पहले पोस्टमॉर्टम के बाद बेल्ट डॉक्टर को परीक्षण के लिए सौंपा गया था। परीक्षण के बाद एसआईटी ने इसे सुरक्षित रख लिया था। बेल्ट को 7 दिन पहले सागर की फोरेंसिक लैब भेजा गया था। दिल्ली एम्स की मांग के बाद भोपाल पुलिस ने एफएसएल और साइबर सेल को इस बारे में पत्र लिखा है।

- राजस्थान : अवैध फैक्ट्रियों पर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की रेड

नकली मूंगफली बीज फैक्ट्री पर मारा छापा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के नजदीक चौमूं (रीको इंडस्ट्रियल एरिया) के सिल्वर पार्क से मंगलवार को एक ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरे राजस्थान के कृषि महकमे और बीज माफियाओं के खेमे में हड़कंप मचा दिया। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने बिना किसी पूर्व सूचना या तामझाम के, एक 'फूड इंस्पेक्टर' की तरह औचक निरीक्षण करते हुए 'एग्रो जेनिक्स क्रॉप साइंस' एवं 'जीएम एग्रो इंडस्ट्रीज' नामक दो अनधिकृत फैक्ट्रियों के गोदामों पर छापा मार दिया।

यह दोनों अवैध कंपनियां मिलकर सीकर की एक प्रतिष्ठित फर्म 'श्री बालाजी एग्रो सीकर' के नाम का फर्जी इस्तेमाल कर रही थीं और उसके नकली लेबल लगाकर घटिया, अमानक और निम्न गुणवत्ता वाले फंगस लगे मूंगफली बीजों की धड़ल्ले से री-पैकेजिंग कर रही थीं।

गोदाम के भीतर का नजारा देख दंग रह गए मंत्री

जब किरोड़ी लाल मीणा कृषि विभाग के आला अधिकारियों और पुलिस जाब्ते के साथ चौमूं के इस रिहायशी व इंडस्ट्रियल गोदाम के भीतर दाखिल हुए, तो वहां का नजारा देखकर खुद उनकी आंखें भी फटी की फटी रह गईं। यह कोई छोटा–मोटा हेर–फेर नहीं था, बल्कि करोड़ों रुपए की लागत से चल रहा नकली बीज का एक बहुत बड़ा संगठित कारखाना था।

दिल्ली क्वाड बैठक में ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया

समुद्री रास्तों की आजादी जरूरी : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्वाड देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए।इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल हुए।

अमेरिका की ओर से मार्को रूबियो, जापान से तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वोंग मौजूद रहे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में 3 बड़े फैसलों पर चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

महुआ में सरकारी मेडिसिन फेंकी, लाखों की दवाएं गड्ढे में मिलीं,यूरिन कलेक्टिंग बैग और ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप मिले

हाजीपुर। वैशाली के महुआ प्रखंड अंतर्गत कन्हौली धनराज पंचायत के वार्ड नंबर 09 में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाएं फेंकी हुई मिली हैं। चंवर के निकट एक चिमनी के पास खोदे गए गड्ढे से ये दवाएं बरामद हुईं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। फेंकी गई दवाओं में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन, लेवोसाल्बुटामोल, पाइरिडॉक्सिन टैबलेट्स, सिल्वर सल्फाडायजीन क्रीम, मेजर्ड वॉल्यूम सेट, यूरिन कलेक्टिंग बैग, ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप, जिंक सल्फेट ओरल सॉल्यूशन, परमेथ्रिन क्रीम और हैंड ग्लव्स शामिल हैं। इनके साथ बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग के विज्ञापन पर्चे भी मिले हैं। इन दवाओं में एंटीबायोटिक, दर्द निवारक और बच्चों की दवाएं व सिरप की सैकड़ों शीशियां थीं। कई दवाओं पर 'बिहार सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण हेतु' लिखा था। अधिकांश दवाओं की एक्सपायरी डेट 2026-27 तक की थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे अभी भी उपयोग योग्य थीं। दवाओं का यह जखीरा देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय मुखिया और पुलिस को दी। ग्रामीण जयप्रकाश यादव, राजेश कुमार, अमित कुमार, सुधीर कुमार, अनिल कुमार और रविंद्र प्रसाद सिंह ने आरोप लगाया कि अस्पतालों में मरीजों को दवाएं नहीं मिलतीं, जबकि यहां उन्हें फेंका जा रहा है। उन्होंने इसे गरीब मरीजों के साथ धोखा बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों पर लापरवाही और कालाबाजारी का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। घटना की सूचना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दे दी गई है। वर्तमान में फेंकी गई दवाएं उसी स्थान पर पड़ी हुई हैं। इस संबंध में पूछे जाने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. अभिषेक कुमार ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थल पर पहुंचकर दवाओं का निरीक्षण किया जाएगा और दोषी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त ने लालगंज में तटबंधों का इंस्पेक्शन किया, बाढ़ सुरक्षा और कटाव निरोधी कामों की रिव्यु

हाजीपुर। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह (भा.प्र. से.) ने 25 मई 2026 को वैशाली जिले के लालगंज प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने गंडक नदी के बाएँ तटबंध (तिरहुत तटबंध) के किलोमीटर 68.80 पर स्थित बलहा-बसंता स्थल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मानसून और संभावित बाढ़ के मद्देनजर तटबंधों की सुरक्षा, कटाव निरोधी कार्यों और बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने तिरहुत तटबंध के उन संवेदनशील हिस्सों का अवलोकन किया जहां गंडक नदी तटबंध से सटकर बह रही है। उन्होंने पूर्व में कराए गए कटाव निरोधी कार्यों का जायजा लिया और पाया कि विभाग द्वारा किए गए कार्य प्रभावी हैं तथा तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। आयुक्त ने संबंधित अभियंताओं और पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के दौरान विशेष चौकसी बरती जाए और तटबंध की लगातार निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षात्मक और कटाव निरोधी कार्यों की आवश्यकता का आकलन कर विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र विभाग को भेजा जाए, ताकि स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इस अवसर पर आयुक्त ने बताया कि मानसून और संभावित बाढ़ के कारण यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी इस क्षेत्र में कटाव की घटनाएं हुई हैं, जिनसे जान-माल और कृषि योग्य भूमि को नुकसान पहुंचा था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में विभाग द्वारा कई स्थानों पर कटाव निरोधी कार्य कराए जा रहे हैं और कुछ कार्य प्रगति पर हैं। स्थानीय ग्रामीण भी भविष्य में कटाव की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षात्मक कार्यों की मांग कर रहे हैं। आयुक्त ने जोर दिया कि बाढ़ की स्थिति अनिश्चित होती है, इसलिए सभी संबंधित विभाग अभी से पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि राहत सामग्री, तटबंधों की निगरानी, आपदा प्रबंधन संसाधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते मजबूत कर लिया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

बाल विवाह उन्मूलन पर जागरूकता अभियान

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज प्रखंड स्थित महादलित मथुरापुर कुशदे टोला में बाल विवाह उन्मूलन पर एक सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान ने 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन परियोजना के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया। अधिकार मित्र संतोष कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महादलित समुदाय के परिवारों को बाल विवाह के गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। इसमें किशोर-किशोरियों के अधिकारों की रक्षा के संबंध में भी जानकारी दी गई। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर

कुमार शुक्ला ने कहा कि बाल विवाह केवल एक कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि यह बेटियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी बाधित करता है। डॉ. शुक्ला ने जोर देकर कहा कि वैशाली जिले में हर बच्चे, विशेषकर बेटियों को स्कूल भेजना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कम उम्र में शादी से बच्चियों का स्वास्थ्य खराब होता है और वे कुपोषण का शिकार हो जाती हैं। उनके अनुसार, बेटियों के शिक्षित हुए बिना समाज का पूर्ण विकास संभव नहीं है। इस अवसर पर अधिकार मित्र संतोष कुमार और चंद्रशेखर ने ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के कड़े प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस अपराध में शामिल माता-पिता, बिचौलिए और विवाह कराने वाले व्यक्तियों को जेल और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, जेआरसी हेल्पलाइन 1800-102-7222 या स्थानीय पुलिस को दें। कार्यक्रम के अंत में, ग्रामीणों ने बाल विवाह के खिलाफ एकजुट रहने और बाल विवाह न करने की सामूहिक शपथ ली।

मुजफ्फरपुर में 6 दिन से गायब दंपती का सुराग नहीं

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित भगत मार्केट के प्रोप्राइटर मनोज भगत और उनकी पत्नी मीनू देवी के रहस्यमय ढंग से लापता होने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। बीते 20 मई से लापता दंपती की तलाश में पुलिस लगातार छानबीन कर रही है। मामले में संपत्ति विवाद, पुराने आपराधिक मामले और लेनदेन समेत कई बिंदुओं पर जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों और रिश्तेदारों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। सोमवार को एसडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा ने उस कमरे का भी निरीक्षण किया, जहां से दंपती रहस्यमय तरीके से गायब हुए थे। परिजनों का दावा है कि कमरे के बेड पर खून के धब्बे मिले थे, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। हालांकि, पुलिस ने मौके से सैंपल जुटाकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। अब एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कमरे में मिले धब्बे वास्तव में खून के हैं या कुछ और। दंपती की बेटी शिफाली कुमारी ने अपने सगे चाचा पर संदेह जताया है। उसने बताया कि उसके माता-पिता शादी को लेकर मुजफ्फरपुर आए थे। 19 मई को उसकी आखिरी बार माता-पिता से बात हुई थी और तब सबकुछ सामान्य था। लेकिन 20 मई से दोनों के मोबाइल लगातार बंद आने लगे, जिसके बाद अनहोनी की आशंका हुई और पुलिस को सूचना दी गई। शिफाली का कहना है कि उसके पिता और चाचा के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। उसने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की मार्केट संपत्ति पर कब्जे की नीयत से उसके चाचा ने कुछ कराया हो सकता है।

मनोज भगत के बहनोई ने बताया कि मनोज का ज्यादातर समय दिल्ली में गुजरता था। उनके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हत्या के एक मामले में वह जेल भी जा चुके थे और सजा काटकर लौटे थे। दिल्ली के कुछ कारोबारियों के साथ लेनदेन को लेकर विवाद भी चल रहा था। उन्होंने कहा कि पुलिस को हर एंगल से निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, क्योंकि अचानक दोनों का गायब हो जाना कई सवाल खड़े करता है।

कैश वैन लूटने जहानाबाद से आए अपराधी, 4 थानों से होकर गुजरे थे

एजेंसी, पटना

▢ **जंक्शन से एचडीएफसी बैंक के पास वैशाली गोलंबर पहुंचे**

पटना में सोमवार को कैश वैन लूटने के लिए अपराधी 45 किमी दूर जहानाबाद से आए थे। हथियार लैस अपराधी ट्रेन से पटना जंक्शन पर उतरे थे। रेल पुलिस ने उन्हें न ट्रेन में पकड़ा और न ही पटना जंक्शन पर। अपराधी रेवले स्टेशन के बाद कोतवाली थाने क्षेत्र से ऑटो पर बैठ और गांधी मैदान पहुंचा, पीरबहोर क्रॉस करते हुए कदमकुआं वैशाली गोलंबर पहुंचा। यानी ट्रेन से उतरने के बाद ऑटो में 4 थाने को अपराधियों ने क्रॉस किया, लेकिन वे पकड़े नहीं गए। शाली गोलंबर के एचडीएफसी की शाखा के पास अपराधी वैन को लूटने वाले थे, पर 3 अपराधियों में से एक पकड़ा गया। दो फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नौबतपुर, पिपलाव के रहने वाले मुनासी पासवान के रूप में हुई है।

झोले में रखा था कट्टाः टाउन डीएसपी 2 कामाख्या नारायण सिंह ने बताया कि मुनासी का ससुराल जहानाबाद में है। जहानाबाद में ही मुनासी ने अपने साथियों के साथ लूट की प्लानिंग की थी। मुनासी पासवान एचडीएफसी बैंक के पास पकड़ा गया तो उसके पास झोला था। जिसमें एक देशी कट्टा और 3 कारतूस थे। दो युवाओं ने कैश वैन के गार्ड की मदद से मुनासी पासवान को पकड़ के रखा। पकड़े जाने के 15 मिनट बाद स्थानीय कदमकुआं थाने की पुलिस पहुंचीं, जबकि यहां से थाने की दूरी मुश्किल से डेढ़ किलोमीटर है। गश्ती गाड़ी भी मौजूद नहीं थी।

दो बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए हो रही छापेमारीः पुलिस के मुताबिक अब तक के वेरिफिकेशन में पता चला है कि मुनासी पासवान पिपलाव में खेती बाड़ी करता है। कब लूट की साजिश बनाई और किस तरह की प्लानिंग थी, इसके दो अन्य सहयोगियों के पकड़े जाने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल दोनों फरार हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

गार्ड ने तान दिया था हथियारः दरअसल, कदमकुआं थाना क्षेत्र के वैशाली गोलंबर के पास HDFC की शाखा से अपराधी पकड़ा गया था। पुलिस उसे पड़कर थाने ले गई है। टाउन डीएसपी 1 के नेतृत्व में शातिर मुन्ना पासवान से पूछताछ हो रही है। उसने पुलिस को बताया है कि लूटपाट की घटना को अंजाम देने के लिए आए थे। कैश वैन लूटने की साजिश थी। इसके अलावा 2 और भी लोग इस घटना को मिलकर अंजाम देने वाले थे। दो लोग फरार हो गए।

पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर दूसरे आरोपियों की पहचान करने में पुलिस जुटी है। टाउन डीएसपी 1 ने आरोपी के पकड़े जाने की पुष्टि की है। बैंक के ठीक सामने कैश वैन आकर लगी थी। उसके बाद बॉक्स गार्ड लेकर जा रहे थे। उसी बॉक्स को अपराधी ने छीनने की कोशिश की। तब तक गार्ड ने हथियार तान दिए और लोगों ने उसे पकड़ लिया।

पिता ने स्कॉर्पियो नहीं दिलवाई तो बेटे ने किया सुसाइड

एजेंसी, पटना

◆ **गंगा में कूदकर दी जान, छलांग लगाने से पहले वीडियो कॉल पर परिजन से की बात**

पटना में युवक ने गंगा में छलांग लगा दी है। युवक स्कॉर्पियो खरीदना चाहता था, पर पिता इसके लिए तैयार नहीं थे। इसी बात लेकर सोमवार रात पिता के साथ बहस हुई थी। गुस्से में आकर उसने सुसाइड कर लिया।गंगा में कूदने से पहले आखिरी बार परिजन से से वीडियो कॉल पर बात की थी। परिजन को बताया कि मैं नदी में कूद रहा हूं। इसके बाद उसका नंबर स्विच ऑफ हो गया। युवक की पहचान पाटलिपुत्र थाना के इंद्रपुरी रोड नंबर 2 के रहने वाले सागर कुमार (30वर्ष) के रूप में हुई है। घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र मरीन ड्राइव पिलर नंबर-46 की है।

मरीन ड्राइवर पर स्कूटी मिली थीः फोन पर सागर से बात होने के बाद परिजन काफी परेशान हो गए थे। तुरंत सागर की खोजबीन के लिए घर से निकले, पर कहीं सागर का पता नहीं चल रहा था। इसी दौरान मरीन ड्राइवर से युवकी स्कूटी और एक पैर का जूता मिला था।

एसडीआरफ की टीम युवक को तलाश रही हैः युवक की खोजबीन गंगा में की जा रही है। सुबह से ही एसडीआरएफ की टीम सर्च कर रही थी। टीम के साथ स्थानीय गोताखोर को भी लगाया गया था। जिसके बाद सागर की बॉडी बरामद हुई।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए PMCH भेजा है। पुलिस को परिजनों ने बताया है कि युवक डिप्रेशन में था। पहले भी सुसाइड करने का प्रयास किया था। घर से बिना बताए निकला था।

गंगा में डूबकर 3 की मौत, नाबालिगों को बचाने में एक की गई जान

एजेंसी, पटना

पटना में चार लोग डूब गए हैं। इनमें 3 की मौत हो गई है। मरने वालों में कदमकुआं दरियापुर के चंदन कुमार (35), अमित (15) और समर शामिल है। वहीं, जॉय (17) अभी लापता है। तीनों नाबालिग कंकड़बाग RLMS कॉलोनी के रहने वाले हैं। 9वीं क्लास में पढ़ते थे। अमित और जॉय चचेरे भाई है, जबकि समर दोनों का दोस्त है।

बताया जा रहा कि 4 नाबालिग जब डूबने लगे तो चंदन उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदे थे, पर वे पानी के बीच दलदल में फंस गए और वे भी डूब गए। उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा कि ये सभी गंगा स्नान के लिए घाट पर गए। इसी दौरान पानी के ज्दाया गहराई में जाने से हादसा हो गया। लापता बच्चे की तलाश की जा रही है। घटना थाना क्षेत्र के गांधी घाट की है।

बेटा पानी में जाने से डरता था, दोस्त जबरदस्ती ले गएः मृतक अमित के पिता रंजीत कुमार ने बताया कि मेरा बेटा, भतीजा और इन दोनों के दोस्त डूबे थे। जिसमें से मेरे बेटे अमित की बॉडी मिली है। भतीजा जॉय की बॉडी नहीं मिली है। सुबह में बिना बताए साइकिल से निकले थे। जॉय और अमित दोनों 9वीं के छात्र थे। मेरा बेटा नदी में जाने से डरता। उसे जबरदस्ती उसका दोस्त पानी में ले गया।

स्थानीय बिरजू ने कहा कि लड़के नहा रहे थे। इसी दौरान डूबने लगे। एक भइया ने बचाने के लिए छलांग लगाई, पर वो भी डूब गए। उनकी मौत हो गई। सुबह करीब 8 बजे की घटना है। मौके पर विक्रम ने कहा कि 4 डूब गए। 3 को मैंने खुद निकाला है। एक अभी भी लापता है।

पटना सिटी में भाई की हत्या, परिवार की लड़की से प्रेम-प्रसंग पर मर्डर, कपड़े मिट्टी में गाड़े

एजेंसी, पटना

▢ **खून से सने ई-रिक्शा को गंगा में धोया**

पटना सिटी में 22 साल के युवक राजा कुमार की हत्या हुई है। राजा 5 दिन से लापता था। पुलिस ने सोमवार की रात मामले में 2 आरोपियों को पकड़ा है। दोनों राजा के फुफेरे भाई लगते हैं। एक सरवन कुमार (21) और दूसरा 14 साल का नाबालिग है। पुलिस की पूछताछ में इन्होंने बताया कि है राजा का अफेयर परिवार की लड़की से चल रहा था। इसी बात लोकर दोनों नाराज थे। दोनों ने राजा की हत्या के बाद लाश को फेंक दिया था। मर्डर में जिस ई-रिक्शा का इस्तेमाल किया था, उसमें खून लगा था। गंगा घाट किनारे नदी के पानी से खून को धोया और खून से सने कपड़ों को मिट्टी में गाड़ दिया। 25 मई को पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ा। घटना मालसलामी थाना क्षेत्र की है।

ई-रिक्शा से राजा को 15 किमी दूर ले गएः पुलिस के अनुसार राजा 20 मई को दोनों आरोपियों ने राजा को मालसलामी थाना क्षेत्र के एक जगह बुलाया था। राजा घर से बोलकर निकला था कि मैं बुआ के घर जा रहा हूं। इस वजह परिवार भी निश्चिंत थे। राजा अपने फुफेर

भाई सरवन के घर गया। वहां चाय पी। इसके बाद सरवन, नाबालिग और राजा ई-रिक्शा से निकल गए। ई-रिक्शा नाबालिग चलाता है। दोनों राजा को 15 किमी दूर दीदारगंज थाना क्षेत्र के सबलपुर ले गए। वहां सड़क किनारे एक ट्रक से राजा टकरा दिया। राजा गंभीर रूप से घायल हो गया। खून से लथपथ था। दोनों आरोपी इसी हालात में राजा को सिक्स लेन विदुपुर फुटपाथ ले गए और उसे फेंक दिया। रात का वक्त का था इसलिए किसी ने राजा को फेंकते हुए नहीं देखा था। राजा ने फुटपाथ पर दम तोड़ दिया।

थाने पहुंचे परिजनः राजा अगले दिन घर नहीं लौटा तो परिजन परेशान हो गए। 23 मई तक परिजन राजा को तलाश करते रहे। वहीं, परिजन ये भी अंदाजा लगा रहे थे कि हो सकता है कि राजा खुद घर आ जाए, पर जब राजा का कहीं कुछ पता नहीं चला तो परिजन 24 मई को पटना सिटी के मालसलामी थाना गए। वहां पुलिस को बताया कि सरवन और नाबालिग ने फोन कर राजा को बुलाया था। उसके बाद से राजा का कुछ पता नहीं चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज किया और कार्रवाई में जुट गई। 25 मई को पुलिस ने मालसलामी इलाके से ही दोनों आरोपियों को पकड़ा। कड़ी पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि उन्होंने राजा की हत्या की है। शव को वैशाली के रुस्तमपुर में फेंक देने की बात स्वीकारी। पुलिस ने दोनों युवक को लेकर रुस्तमपुर ले गई। वहां के थानेदार ने बताया कि 20 मई को एक युवक की लाश मिली थी, पर उसकी पहचान नहीं हुई थी। उसका पोस्टमॉर्टम कराया। 72 घंटे तक लाश को रखा गया था। जिसके बाद पुलिस की ओर से अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस ने जब फोटो दिखाया तब पता चला कि मृतक राजा ही था।

बिहटा में दया दुबे गैंग का तीसरा सदस्य गिरफ्तार, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद

एजेंसी, पटना

▢ **गैंग का मुख्य आरोपी अभी भी फरार**

पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में सक्रिय दया दुबे गैंग के तीसरे सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रानीतालाब निवासी रंजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की है। इससे 2 दिन पहले, पुलिस ने इसी गैंग के 2 अन्य सदस्यों आदित्य कुमार और सचिन कुमार को भी गिरफ्तार किया था। उनके पास से एक देसी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। पुलिस दया दुबे गैंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। हालांकि, इस गैंग का मुख्य आरोपी दया दुबे अभी भी फरार है। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए आसपास के जिलों में लगातार छापेमारी कर रही हैं।

2 अपराधियों की निशानदेही पर रंजय कुमार को गिरफ्तार कियाः पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने इस पूरे मामले पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पटना पश्चिम क्षेत्र में दया दुबे गैंग की आपराधिक गतिविधियां बढ़ गई हैं, जिसके मद्देनजर पुलिस और तकनीकी टीमें लगातार काम कर रही हैं। एसपी ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए 2 अपराधियों की निशानदेही पर रंजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि रंजय बिहटा क्षेत्र में किसी बड़ी की घटना को अंजाम देने के फिराक में था। एसपी ने यह भी बताया कि दया दुबे गैंग सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर लोगों में खौफ पैदा करता है। हाल ही में बिहटा क्षेत्र में एक महिला से सोशल मीडिया के जरिए 7 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी और उसके घर पर फायरिंग कर इसी गैंग ने दहशत फैलाने की कोशिश की थी। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल इस गैंग के मुख्य आरोपी दया दुबे की गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

महिला ने मामला दर्ज कराया थाः दरअसल, बिहटा थाना में शोभा देवी नामक एक महिला ने मामला दर्ज कराया था। जहां महिला ने बताया कि कुछ युवक उनके घर पर फायरिंग की है। सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल के जरिए 7 लाख की रंगदारी मांगी है।

सीएम सम्राट चौधरी के हरे गमछे वाले बयान पर बना गाना, सोशल मीडिया पर हो रहा शेयर

एजेंसी, पटना

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'हरे गमछे' वाले बयान के बाद सियासत हो रही है। नेताओं की बयानबाजी के बीच अब इस मुद्दे पर गाना भी लॉन्च हो गया है, जो सोशल मीडिया पर है। "काहे यादव जी नाम बदनाम बा, यदुकुल में जन्म हुई एकड़ गुमान बा, हरियर गमछिया यादव के शान बा...", बोली और राजनीतिक तंज से भरे इस गाने को एसकेडी राज यदुवंशी ने तैयार किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग इस गाने को खूब शेयर कर रहे हैं और इसे सम्राट चौधरी के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

AI समिट में सम्राट चौधरी ने दिया था बयानः दरअसल, बीते शनिवार को पटना में आयोजित AI समिट के मंच से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि पटना में करीब 4 हजार AI कैमरे लगाए गए हैं। अगर AI सिस्टम को यह निर्देश दे दिया जाए कि "हरे गमछे वाले को खोजो", तो वह तुरंत ऐसे लोगों की पहचान कर लेगा। हालांकि, बयान के तुरंत बाद उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि उनका इशारा किसी खास व्यक्ति या समूह की ओर नहीं है। सीएम के बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर 'हरे गमछे' को लेकर मीम्स, वीडियो और गानों की भरमार हो गई है। वायरल हो रहे इस भोजपुरी गाने को कई लोग यादव समाज और उनकी पहचान से जोड़कर देख रहे हैं। गाने के बोल में 'हरिहर गमछिया' को यादव समाज की शान बताया गया है।

डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा फायदा

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने संविदा (कॉन्ट्रैक्ट), बेल्ट्रॉन और आउटसोर्सिंग पर तैनात महिला कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब इन्हें भी नियमित (रेगुलर) महिला कर्मियों की तरह हर महीने दो दिनों का विशेष आकस्मिक अवकाश (स्पेशल लीव) मिलेगा। समाज कल्याण विभाग ने सोमवार को इसका आधिकारिक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। इसके साथ ही विभाग ने 20 जुलाई 2023 का अपना पुराना आदेश रद्द कर दिया है। सरकार के इस फैसले से राज्य की डेढ़ लाख से अधिक महिला कर्मियों को माहवारी के समय बड़ी राहत मिलेगी।

महिलाओं को हर महीने माहवारी के दौरान दो दिनों का विशेष अवकाश देने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। बिहार में यह व्यवस्था 2 जनवरी 1992 से लागू है।

छुट्टी के लिए ये तीन नियम जानना जरूरी एक साथ मिलेगी छुट्टी : महिला कर्मियों को हर माह 2 दिनों की स्पेशल लीव 1 बार में लगातार लेनी होगी। सामान्य छुट्टियों से अलग : यह विशेष अवकाश कैलेंडर वर्ष में मिलने वाली सामान्य आकस्मिक छुट्टियों के अतिरिक्त दिया जाएगा। कंट्रोलिंग ऑफिसर देंगे मंजूरीः इस विशेष छुट्टी को मंजूर करने का पूरा अधिकार संबंधित नियंत्री पदाधिकारी के पास होगा।

बिहार में कानून व्यवस्था पर तेजस्वी यादव का हमला, बोले- एक महीने में 8,681 बच्चे गायब

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं तथा पिछले एक महीने में राज्य से 8,681 बच्चे गायब हुए हैं, जिनमें 85 प्रतिशत लड़कियां हैं। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में प्रतिदिन दुष्कर्म, हत्या, लूट और चोरी जैसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ ही दिनों में 75 से अधिक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं सामने आई हैं। साथ ही स्वर्ण व्यवसायियों के साथ दिनदहाड़े लूट की घटनाओं का भी जिक्र किया। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार केवल "डायलॉगबाजी" में व्यस्त है, जबकि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और कानून का डर अपराधियों में समाप्त हो चुका है।

तेजस्वी यादव ने हाल में सामने आए कुछ मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले नीट छात्रा हत्याकांड और अब पॉलिटेक्निक परीक्षा देने पटना आई नाबालिग छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ एवं अपहरण के प्रयास की घटना ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के विभिन्न जिलों से छात्राएं पढ़ाई के लिए पटना आती हैं, लेकिन वर्तमान माहौल में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बेहद चिंताजनक हो गई है। प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए पटना को महिलाओं के लिए देश का सबसे असुरक्षित शहर बताया। अंत में तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री से बयानबाजी छोड़कर महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

राजेपुर लूटकांड का खुलासा, लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद, दो गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए लूटी गई मोटरसाइकिल और मोबाइल बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार शिवहर जिले के तरियानी थाना क्षेत्र के बासपुर निवासी छोटू कुमार ने राजेपुर थाना में आवेदन देकर बताया था कि 21 अप्रैल 2026 की रात बारात जाने के दौरान भुआलीडीह गैस एजेंसी के पास अज्ञात अपराधियों ने उनकी मोटरसाइकिल और मोबाइल लूट लिया था। इस संबंध में राजेपुर थाना कांड संख्या 91/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पकड़ीदयाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूटी गई मोटरसाइकिल एवं मोबाइल बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल कुमार, निवासी झिंगहा थाना मोतीपुर जिला मुजफ्फरपुर तथा चुन्नू लाल कुमार उर्फ चुन्नू कुमार, निवासी गेहूंमाचक थाना मोतीपुर जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन, राजेपुर थानाध्यक्ष कुमार सौरव, अपर थानाध्यक्ष अभिषेक उपाध्याय, पुलिस अवर निरीक्षक अंजली कुमारी, तकनीकी शाखा के सिपाही चंदन कुमार सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

नीलाम पत्रवाद में बड़ी कार्रवाईः दर्जनों देनदारों के खिलाफ वारंट जारी

बीएनएम @ मोतिहारी। भूमि सुधार उप समाहर्ता सदर मोतिहारी सह नीलाम पत्र पदाधिकारी द्वारा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नीलाम पत्रवाद मामलों में बकाया वसूली को लेकर सख्त कदम उठाए गए हैं। विभिन्न थाना क्षेत्रों के कई देनदारों के विरुद्ध वारंट निर्गत कर संबंधित थाना अध्यक्षों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। जिला के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के जिन देनदारों के खिलाफ वारंट जारी किया गया है उनमें दरू सम आलम मियां, मोहम्मद कोसेन, संजू लेथ इंजीनियरिंग वर्क्स, रविंद्र शाह, साबुल कुरेशी, साहब अंसारी, बबलू राय, शत्रुघन कुमार, कलाम देवान, कन्हैया शाह, संतोष कुमार पर्वा, राजेश्वर महतो, मदन प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, इरशादुल्लाह, लाल बाबू देवान, अजय महतो, रंजन कुमार सिंह एवं मजीबुल्लाह शामिल हैं। इन सभी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए थाना अध्यक्ष रामगढ़वा को निर्देशित किया गया है। वहीं आदापुर थाना क्षेत्र से संबंधित देनदारों में अमरेंद्र कुमार सिंह, माधव लाल दास, वजूल हक, रामनाथ राय, समसुद्दीन मियां एवं धर्मेंद्र कुमार दुबे के खिलाफ भी वारंट जारी किया गया है। थाना अध्यक्ष आदापुर को इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा मुफस्सिल मोतिहारी थाना क्षेत्र के हरिशंकर राय, वासुदेव प्रसाद, सकलदेव माझी, शेख मोहम्मद अख्तर, प्रभावती देवी, भिखारी राम, संजय सिंह, सजावल सिंह, राम अटल, सनी राम, अयोध्या राय, संतोष सहनी, शिवधारी सहनी एवं सुरेश राय के विरुद्ध भी वसूली कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि की वसूली के लिए कानूनी प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

ड्यूटी के दौरान वर्दी में रील बनाना पड़ा भारी, तुरकौलिया थाना का दफादार निलंबित

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया थाना में ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनकर रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना एक दफादार को महंगा पड़ गया। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित दफादार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 24 मई 2026 को तुरकौलिया थानाध्यक्ष पु०अ०नि० सम्पत कुमार सिंह यादव ने एक प्रतिवेदन समर्पित किया, जिसमें बताया गया कि 23 मई को सूचना मिली थी कि तुरकौलिया थाना में प्रतिनियुक्त दफादार मंटू कुमार ड्यूटी के दौरान केमोफ्लाज वर्दी में रील बनाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। सत्यापन के दौरान वायरल वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति दफादार मंटू कुमार ही पाया गया। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि वीडियो ड्यूटी के दौरान वर्दी में बनाया गया था। पुलिस प्रशासन ने इसे कर्तव्य के प्रति अनुशासनहीनता, घोर लापरवाही तथा वरीय अधिकारियों के आदेश की अवहेलना माना है। मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरकौलिया थानाध्यक्ष ने दफादार मंटू कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उन्हें तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया है।

रामगढ़वा में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

जनप्रतिनिधियों ने सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की

बीएनएम @ रामगढ़वा। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने की। बैठक में त्योहार के दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आपसी भाईचारा कायम रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों से अपील करते हुए कहा कि पर्व के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखें तथा किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट साझा करने से बचने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में बेला पंचायत के मुखिया पति शेख वहाब, जिला परिषद सदस्य पति कमरुद्दीन मंसूरी, चम्पापुर पंचायत के सरपंच पति अशोक कुमार समेत कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान एसआई प्रिया कुमारी भी मौजूद रहीं। सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि रामगढ़वा क्षेत्र हमेशा से सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल रहा है। इस बार भी बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण और आपसी प्रेम के साथ मनाया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम करने तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने की बात कही।

हरियाली, स्वास्थ्य और जागरूकता को लेकर डीएलएसए सक्रिय

» विश्व पर्यावरण दिवस व योग दिवस पर होंगे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी द्वारा जनकल्याण एवं विधिक जागरूकता को लेकर व्यापक पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में मंगलवार को डीएलएसए सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें वन विभाग, शिक्षा विभाग समेत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश एवं मुजीब उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक भी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। बैठक में आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं योग के महत्व से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वन एवं शिक्षा विभाग इस अभियान में सक्रिय सहयोग करेंगे। बैठक में विशेष रूप से NALSA की "जागृति योजना" अंतर्गत संचालित "सुरक्षित बचपन – सुरक्षित भविष्य" कार्यक्रम के प्रभावी संचालन पर जोर दिया गया। इसके तहत जिले के सभी विद्यालयों में बच्चों के अधिकार, बाल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, लैंगिक संवेदनशीलता, मानव तस्करी एवं बाल शोषण के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने की रूपरेखा तैयार की गई। निर्णय लिया गया कि विद्यालय स्तर पर विधिक जागरूकता शिविर, संवाद कार्यक्रम तथा छात्र-छात्राओं के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों को सुरक्षित, जागरूक एवं संवेदनशील वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में उपस्थित सभी विभागीय प्रतिनिधियों ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन एवं NALSA योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। डीएलएसए ने सभी विभागों के समन्वित प्रयास से जनहितकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने तथा विधिक जागरूकता को और सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बकरीद को लेकर पलनावा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पलनावा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने की। बैठक में प्रखंड के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, दोनों समुदायों के धर्मगुरु तथा गणमान्य लोग शामिल हुए। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि त्योहार को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट साझा नहीं करने की हिदायत देते हुए कहा कि कुर्बानी के बाद अवशेषों को निर्धारित स्थल पर ही डाला जाए। साथ ही नमाज के दौरान मुख्य सड़कों पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा। थानाध्यक्ष ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत थाना को सूचना देने की अपील की। बैठक में किसान श्री सुबोध कुमार, धीरज कुमार, जितेन्द्र शर्मा, कृष्ण गुप्ता, रामप्रकाश रौशन, मुन्ना पाण्डेय, प्रकाश गुप्ता समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

वीडियो वायरल होते ही हरकत में आए एसपी स्वर्ण प्रभात, शराब माफियाओं पर चला बड़ा डंडा

» सुगौली में अवैध शराब कारोबार पर पुलिस का मेगा एक्शन, चौकीदार और एलटीएफ प्रभारी सस्पेंड

बीएनएम @ मोतिहारी/सुगौली

मोतिहारी/सुगौली। सुगौली प्रखंड के मुसवा भेडियारी क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार का वीडियो वायरल होते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात खुद मैदान में उतर गए और पूरे इलाके में व्यापक पुलिस अभियान चलाया। एसपी के नेतृत्व में कई संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया गया। अभियान में जिले के कई थानों की पुलिस, एलटीएफ टीम और भारी संख्या में जवानों को लगाया गया। पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आने पर एसपी ने क्षेत्र के स्थानीय चौकीदार और जिले के एलटीएफ प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इस फैसले के बाद पुलिस महकमे में भी खलबली मच गई है। पुलिस प्रशासन ने साफ कहा है कि जिले में अवैध शराब कारोबार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में लगातार निगरानी, छापेमारी और सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। सुगौली में शराब माफियाओं के खिलाफ चलाया गया यह अभियान अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। वीडियो वायरल होने के बाद जिस तेजी से पुलिस हरकत में आई, उससे इलाके में शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

ईख ग्राम सभा में वैज्ञानिक खेती एवं समन्वित विकास पर दिया गया बल

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के सुगौली चीनी मिल क्षेत्र अंतर्गत सुगौली प्रखंड के भटहा गांव में मंगलवार को आयोजित ईख ग्राम सभा किसानों के लिए जागरूकता, संवाद एवं विकासोन्मुखी विचार-विमर्श का प्रभावशाली मंच बन गई। कार्यक्रम का आयोजन राहुल कुमार, ईख पदाधिकारी मोतिहारी-सह-सचिव, क्षेत्रीय विकास परिषद सुगौली के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उक्त सभा को संबोधित करते हुए राहुल कुमार ने गन्ना कृषकों को आधुनिक कृषि पद्धतियों, उन्नत प्रभेदों की खेती तथा वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन वृद्धि के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार एवं विभागीय योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन ही किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार बन सकता है। कार्यक्रम के दौरान किसानों को गन्ना सर्वे, स्वच्छ गन्ना आपूर्ति, समयबद्ध बुआई, वैज्ञानिक उत्पादन पद्धति तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कृषकों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

सभा में गन्ना मूल्य भुगतान, क्षेत्रीय विकास कार्यों एवं सरकारी योजनाओं के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने किसानों से विभाग एवं चीनी मिल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक उत्पादन एवं गुणवत्तापूर्ण खेती की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर सुगौली चीनी मिल के डीजीएम सीताराम भारद्वाज, उप गन्ना प्रबंधक संजीव चौहान सहित बड़ी संख्या में गन्ना कृषक उपस्थित रहे। अंत में श्री कुमार ने किसानों से सरकार एवं विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा आत्मनिर्भर एवं समृद्ध कृषि व्यवस्था के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

नेपाल के लिए घर से निकले युवक का शव हरसिद्धि में मिला, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/ हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब हरसिद्धि-छपवा मुख्य पथ के किनारे खेत से एक युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नन्दपुर परसौना निवासी स्वर्गीय सुखल साह के 30 वर्षीय पुत्र रमेश साह के रूप में हुई है। जहाँ घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर कर आवागमन ठप कर दिया। परिजनों ने बताया कि रमेश साह नेपाल जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन उसका शव पन्नापुर गांव के समीप खेत में मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया मामला हत्या का माना जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कहीं और कर शव को मक्के के खेत में फेंका गया है। पुलिस प्रेम प्रसंग, आपसी रंजिश और दोस्ती में दुश्मनी समेत कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम को बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि मृतक की तीन बहनों की शादी घटनास्थल से कुछ दूरी पर स्थित पन्नापुर गांव में हुई है। घटना की खबर मिलते ही बहनें और अन्य रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। ग्रामीणों के अनुसार रमेश साह नेपाल में रहकर काम करता था। शव मिलने की घटना के बाद इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सड़क जाम कर जल्द खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इधर, थाना क्षेत्र के मटियारिया में विवेक मिश्रा का शव मक्के के खेत से मिलने की घटना अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि हरसिद्धि की इस वारदात ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। लगातार शव मिलने की घटनाओं ने जिले में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

बेतिया-मैनाटांड़ मुख्य पथ पर सड़क हादसे में बैंककर्मी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया-मैनाटांड़ मुख्य पथ पर बलथर के समीप हुए सड़क हादसे में एक बैंककर्मी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही बलथर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया। मृतक की पहचान नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 29, विद्यानगर निवासी कृष्ण शर्मा के पुत्र जितेश शर्मा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि जितेश शर्मा ग्रामीण बैंक में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार जितेश शर्मा सोमवार को अपने घर से बैंक ड्यूटी के लिए बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान बलथर के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में हेलमेट सिर से गिर गया और सड़क किनारे गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट लग गई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। शव की पहचान के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक की रफ्तार तेज थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और हादसा हो गया। बलथर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। हादसा बाइक के अनियंत्रित होने, तेज रफ्तार या अन्य किसी कारण से हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

भीषण गर्मी में राहतः महापौर प्रीति कुमारी ने शहर के प्याऊ केंद्रों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए नगर निगम मोतिहारी अलर्ट मोड में है। आम लोगों और राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए प्याऊ (शुद्ध पेयजल केंद्र) का सोमवार को महापौर प्रीति कुमारी ने निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण के दौरान महापौर ने प्याऊ केंद्रों पर उपलब्ध पेयजल की स्वच्छता, ठंडे पानी की व्यवस्था, नियमित जलापूर्ति तथा नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी केंद्रों पर लगातार स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। महापौर प्रीति कुमारी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों और राहगीरों को गर्मी के इस कठिन दौर में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम जनहित के कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और नागरिकों की सुविधा व स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए लगातार काम कर रहा है। नगर निगम प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि गर्मी और लू से बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतें, अधिक से अधिक पानी पिएं तथा जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद करें। नगर निगम मोतिहारी द्वारा शहर में जनसुविधाओं को बेहतर बनाने और नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

संगठन सृजन अभियान को लेकर कांग्रेस की समीक्षात्मक बैठक, दर्जनों लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चम्पारण के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में सोमवार को शहर के बंजरिया पंडाल स्थित गांधी आश्रम में संगठन सृजन साथी अभियान के तहत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी से आए प्रभारी जनाब अबु तमीम एवं विकास दूबे की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान प्रभारी नेताओं ने संगठन सृजन अभियान की अब तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को अभियान के प्रति जागरूक किया। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय ने कहा कि "संगठन सृजन अभियान विचार, संघर्ष और संगठन को नई ऊर्जा देने का मार्ग है।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से तय समय सीमा के भीतर अधिक से अधिक नए सृजन साथियों को डिजिटल सदस्यता दिलाने तथा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्वी चम्पारण के विभिन्न प्रखंडों से आए अन्य दलों के कई नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस में शामिल होने वालों में पूर्व जिला पार्षद मोख्तार प्रसाद गुप्ता, पवन कुमार सिंह, मो. नुरैन आलम, कृष्णा प्रसाद नेताजी, अनिरुद्ध यादव, मो. आसिफ आलम, मनोज ठाकुर, शशि यादव, संजय साह, विनय प्रसाद और अमित कुमार समेत दर्जनों लोग शामिल रहे। बैठक को अभिजित सिंह चौहान, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार सिंह, पप्पू रंजन मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद चौरसिया एवं मो. अजहर हुसैन सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। सभा में विनय कुमार, मदन प्रसाद, मनोरंजन तिवारी, किरण कुशवाहा, सत्येन्द्र नाथ तिवारी, ऋषि सिंह, हरि किशोर पटेल, रामप्रवेश तिवारी, नन्द कुमार चौबे, आबिद हुसैन, डॉ. आशिष रंजन सिंह, डॉ. आदर्श आनंद, रंजीत पाण्डेय, रमेश कुमार श्रीवास्तव, कुमार रंजन शर्मा, राज कुमार यादव, मो. खलिलुर्रहमान, धनंजय तिवारी, बाबू नन्द यादव, आनंद चौबे, अमित कुमार चौबे, टिपू कुमार सिंह, रवि बाबा, राज कुमार अंजुमन, अजय झा, नीरज कुमार तिवारी, अवध किशोर मिश्रा, नवल किशोर शुक्ल, अनिल कुमार, ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी, रंजन उपाध्याय, अहमद अली, चन्देश्वर सिंह, ललन कुमार, मुन्ना भाई, ब्रिज मोहन सिंह, अंकुश कुमार सिंह, दिग्विजय सिंह, मो. अजहर अंसारी, मोख्तार आलम, बिट्टू दूबे, पवन कुमार सिंह, कामिल अख्तर एवं दिनेश प्रसाद जायसवाल सहित अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी में पानी की किल्लत दूर करने के लिए एक्शन में प्रशासन

एसडीओ ने किया विभिन्न जल केंद्रों का औचक निरीक्षण

बीएनएम @ अरेराज। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और चढ़ते तापमान को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। आम लोगों और राहगीरों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े, इसे लेकर अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी के साथ अरेराज शहरी क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने नगर पंचायत द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित शीतल पेयजल केंद्रों और नल-जल योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पानी की उपलब्धता, शीतलता और स्वच्छता की जांच कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कई प्रमुख स्थानों का किया निरीक्षण-औचक निरीक्षण के तहत पशुपालन अस्पताल अरेराज के समीप, अनुमंडलीय अस्पताल परिसर, हनुमान मंदिर के पास तथा प्रखंड परिसर के आसपास मुख्य सड़क किनारे संचालित पेयजल सुविधाओं की जांच की गई। एसडीओ अंजली शर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच लोगों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने पानी की बर्बादी रोकने और सभी केंद्रों पर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

खराब वाटर कूलर और चापाकल तुरंत ठीक करने का निर्देश-निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी चिन्हित स्थानों पर लगाए गए वाटर कूलर और चापाकल पूरी तरह क्रियाशील रहें। यदि कहीं तकनीकी खराबी हो तो उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए। एसडीओ ने स्पष्ट कहा कि पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों को राहत मिल सके और शहरी क्षेत्र में कहीं भी पेयजल संकट उत्पन्न न हो।

नाबालिग पुत्र के अपहरण और बंधक बनाने का आरोप

- पिता ने पचपकड़ी थाना में दिया आवेदन, सकुशल बरामदगी की लगाई गुहार

बीएनएम @ पताही। पताही थाना क्षेत्र के जिहुली टोला टीनहिया वार्ड-14 निवासी एक व्यक्ति ने अपने नाबालिग पुत्र के अपहरण एवं बंधक बनाए जाने की आशंका को लेकर पचपकड़ी थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में पिता ने बताया है कि उनका छोटा पुत्र 24 मई 2026 की सुबह करीब छह बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। काफी खोजबीन और पूछताछ के बाद परिजनों को जानकारी मिली कि उनके पुत्र को पचपकड़ी थाना क्षेत्र के खरिहनिया गांव निवासी मोती आलम द्वारा बंधक बनाकर रखा गया है। पीड़ित पिता ने आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके पुत्र को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है तथा उसके साथ मारपीट भी की जा रही है। साथ ही उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया है, जिससे परिजनों का उससे संपर्क पूरी तरह टूट गया है। पिता ने थाना अध्यक्ष से मामले की गंभीरता से जांच कर अपने पुत्र की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित करने तथा आरोपित के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

गिरफ्तारअपराधी के घर से राइफल, दो जिंदा कारतूस व 4.28 लाख नगद बरामद

बीएनएम @ फतुहाः फतुहा के नदी थाना पुलिस ने एक बार फिर बड़ी पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर नदी थाना अध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कच्ची दरगाह स्थित मजार के पास छापेमारी कर एक युवक को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान जेठुली निवासी 19 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने जब आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 20 पुड़िया स्मैक बरामद मिली। वहीं उससे पूछताछ के बाद उसके के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने घर के पिछले हिस्से में छिपाकर रखी गई अवैध एकनाली राइफल, दो जिंदा कारतूस और 4.28 लाख रुपये नगद बरामद किए गए। वहीं नदी थाना पुलिस की इस कार्रवाई की इलाके में जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि पुलिस लगातार अपराधियों और नशा कारोबारियों पर शिकंजा कस रही है, जिससे इलाके में अपराधियों के बीच डर और हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध धंधे के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

सरकारी जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

बीएनएम @ समस्तीपुर! जिले के पटोरी प्रखंड क्षेत्र के चक साहों पंचायत स्थित फतेपुर वाटर वेज बांध सड़क के अगल-बगल सरकारी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को मंगलवार को प्रशासन ने हटवा दिया। न्यायालय के आदेश के आलोक में पटोरी अंचल प्रशासन द्वारा चलाए गए इस अभियान में बुलडोजर की मदद से दर्जनों अस्थायी एवं स्थायी निर्माणों को ध्वस्त किया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी एवं हड़कंप की स्थिति बनी रही। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरे अभियान को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया। जानकारी के अनुसार, लंबे समय से सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान एवं अन्य निर्माण किए गए थे। न्यायालय से आदेश प्राप्त होने के बाद अंचल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। इस संबंध में पटोरी अंचल अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह बड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

लव कुश परिसर गांधी नगर बगहा में 24 घंटे का आष्टयाम कल से

बीएनएम @ बगहाः बगहा नगर परिषद क्षेत्र स्थित लव कुश परिसर गांधी नगर बगहा में भव्य रूप से 24 घंटे का आष्टयाम 28 मई से शुरू होगी, जो 29 मई को विशाल पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो जाएगी। आष्टयाम संकीर्तन की तैयारी जोरों पर है। तैयारी को लेकर आयोजित बैठक में प्रबुद्ध समाजसेवी एवं जदयू के प्रदेश राजनैतिक सलाहकार समिति सदस्य सह जीडीएसके इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बीरेन्द्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि आष्टयाम एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट धार्मिक अनुष्ठान है, जिसका हिन्दू धर्म और विशेष रूप से वैदिक एवं भक्ति परंपराओं में अत्यधिक महत्व है। समाजसेवी ध्रुव प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि आष्टयाम हमें सिखाता है कि समय का सही उपयोग कर के हम जीवन में संतुलन, शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश कुमार, डॉ बासु कुमार, विजयानंद भारतीय, अरुण कुमार और लव कुश मोटर्स के डायरेक्टर सत्येन्द्र कुमार समेत दर्जनों की संख्या में समाजसेवी जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL
SHANTINIKETAN JUBILEE SCHOOL · MOTIHARI, E. CHAMPARAN
Shantipuri, Rahman Colony, Motihari, E. Champaran - 845401

अपनी माटी अपना देश' थीम पर झरोखर बॉर्डर से शुरू होगी राष्ट्रीय चेतना यात्रा, बच्चों में जगाएगी राष्ट्रभक्ति की अलख

31 मई को भारत-नेपाल सीमा से रवाना होगी यात्रा, SSB और स्वराज फाउंडेशन ने किया संयुक्त स्थल निरीक्षण

बीएनएम @ घोड़ासहन @ विक्की विजेंद्र

घोड़ासहन। देश की भावी पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना विकसित करने के उद्देश्य से इस वर्ष भी 'राष्ट्रीय चेतना यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। 'अपनी माटी अपना देश' थीम पर आधारित यह यात्रा आगामी 31 मई को भारत-नेपाल सीमा पर स्थित झरोखर बॉर्डर से शुरू होगी और भारत-पाकिस्तान सीमा स्थित अटारी बॉर्डर, अमृतसर तक जाएगी। यात्रा के माध्यम से बच्चों और युवाओं को देश के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों से परिचित कराया जाएगा। इस यात्रा में पूर्वी चंपारण जिले के कुल 42 प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें स्कूली बच्चे, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शामिल हैं। यात्रा का उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना तथा उन्हें भारत की गौरवशाली विरासत से जोड़ना है। यात्रा के सफल और भव्य आयोजन को लेकर झरोखर बॉर्डर पर स्वराज फाउंडेशन और सशस्त्र सीमा बल (SSB) के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, मंच निर्माण, प्रतिभागियों की सुविधाओं तथा कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण टीम का नेतृत्व कार्यक्रम प्रभारी इंजीनियर संदीप जायसवाल एवं प्रसून प्रवीण ने किया। इस अवसर पर प्रबंधक अनवर अली, SSB के वरीय अधिकारी राठौर जी, पतंजलि के धर्मेंद्र विद्रोही तथा मीडिया प्रभारी प्यारे जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक और अनुशासित तरीके से संपन्न कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम प्रभारी इंजीनियर संदीप जायसवाल ने बताया कि 31 मई की सुबह ठीक 6 बजे दीप प्रज्वलन एवं प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' प्रदान कर यात्रा को रवाना किया जाएगा। यात्रा का पहला चरण झरोखर बॉर्डर से शुरू होकर ढाका, कैथवलिया स्थित विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर तथा ऐतिहासिक बौद्ध स्तूप केसरिया तक पहुंचेगा। इसके बाद यात्रा मोतिहारी स्थित गांधी संग्रहालय पहुंचेगी, जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारी हरी झंडी दिखाकर यात्रा को आगे के राज्यों एवं अंतिम गंतव्य अटारी बॉर्डर के लिए रवाना करेंगे। आयोजकों के अनुसार यह यात्रा भारत-नेपाल सीमा से लेकर भारत-पाकिस्तान सीमा तक देश की विविधता, संस्कृति और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश देगी तथा बच्चों के भीतर देश के प्रति गर्व और समर्पण की भावना को और मजबूत करेगी।

भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि से पताही-चिरैया में तबाही

» फसलें चौपट, कई घर क्षतिग्रस्त, विधायक ने डीएम से की मुआवजे की मांग

बीएनएम @ पताही

पताही। पूर्वी चंपारण जिले के पताही प्रखंड सहित चिरैया विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में 25 मई को आए भीषण आंधी-तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई है। अचानक बदले मौसम ने किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया, वहीं आम लोगों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने कुछ ही मिनटों में खेतों में खड़ी फसलों को बर्बाद कर दिया। मक्का, सब्जी, आम और लीची जैसी नकदी फसलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। कई जगहों पर तैयार फसलें पूरी तरह खेतों में गिरकर नष्ट हो गईं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है।

कच्चे घरों की छतें उड़ीं, ग्रामीणों में दहशत-आंधी-तूफान का असर ग्रामीण इलाकों में भी देखने को मिला। तेज हवा के कारण कई गरीब परिवारों के कच्चे घरों की छतें उड़ गईं, जबकि कई पक्के मकानों में भी दरारें आने और नुकसान होने की खबर है। अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा से लोगों में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है।

विधायक ने डीएम को लिखा पत्र-स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने पत्र में कहा है कि 25 मई को आए आंधी-तूफान और ओलावृष्टि से चिरैया एवं पताही प्रखंड क्षेत्र में किसानों और आम लोगों को व्यापक नुकसान हुआ है। विधायक ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण कृषि उत्पादन पूरी तरह प्रभावित हुआ है तथा गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के आवासीय ढांचे भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे प्रभावित परिवारों की दैनिक जीवनचर्या पर गहरा असर पड़ा है।

शीघ्र सर्वे और मुआवजे की मांग-विधायक ने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाए तथा पीड़ित किसानों और गरीब परिवारों को जल्द उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने राहत कार्यों में तेजी लाने की भी अपील की है, ताकि प्रभावित लोग जल्द सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से तत्काल राहत और मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार को शीघ्र कदम उठाना चाहिए।

पुल निर्माण के दौरान डायवर्सन में भारी अनियमितता, ग्रामीणों ने जताई हादसे की आशंका

» सेकही टोला के पास बन रहा पुल, सिर्फ मिट्टी से बनाए गए डायवर्सन पर फिसलन से बढ़ी परेशानी

बीएनएम @ पताही

पताही। पताही प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत राज जिहुली के सेकही टोला के समीप बन रहे पुल निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और लापरवाही का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार बेलवनवा मोतिहारी की रूद्र कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा पुल निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान आवागमन के लिए बनाया गया डायवर्सन केवल मिट्टी डालकर तैयार किया गया है। हल्की बारिश होते ही रास्ता फिसलन भरा हो जाता है, जिससे लोगों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुल निर्माण में तय मानकों की अनदेखी की जा रही है। न तो गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग हो रहा है और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। लोगों का कहना है कि इस संबंध में कई बार संवेदक और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं किया गया। डायवर्सन की खराब स्थिति के कारण राहगीरों, विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिसलन भरे रास्ते से गुजरना जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ मिट्टी से बनाए गए डायवर्सन के कारण हल्की बारिश में ही रास्ता कीचड़युक्त और फिसलन भरा हो जाता है। ऐसे में कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कर पुल निर्माण कार्य को मानक के अनुसार कराने की मांग की है। साथ ही लापरवाही बरतने वाले संवेदक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की भी मांग उठाई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए, सुरक्षित डायवर्सन बनाया जाए तथा आम लोगों के आवागमन को सुरक्षित करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं।

अंतरजातीय प्रेम विवाह को ग्राम कचहरी ने दी सामाजिक मान्यता

» पंचों की मौजूदगी में हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुई शादी

बीएनएम @ चिरैया

चिरैया। चिरैया प्रखंड क्षेत्र के सिरौना पंचायत स्थित ग्राम कचहरी में मंगलवार को एक प्रेमी युगल का विवाह पंचों की मौजूदगी में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न कराया गया। विवाह समारोह में ग्रामीणों ने नवदंपति को आशीर्वाद देकर सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। सिरौना पंचायत के सरपंच कुमार सौरभ ने बताया कि शिवहर जिले के श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के नयागांव घुरघुर टोला निवासी रामसूरत पंडित की 21 वर्षीय पुत्री मुन्नी कुमारी और उसी गांव के सुरेंद्र चौधरी के 23 वर्षीय पुत्र अभ्यास कुमार के बीच पिछले पांच वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों एक-दूसरे से विवाह कर साथ जीवन बिताना चाहते थे, लेकिन अलग-अलग जाति होने के कारण परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे। बताया गया कि 22 मई को दोनों घर छोड़कर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर चले गए, जहां एक मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। हालांकि घर लौटने पर दोनों परिवारों ने इस रिश्ते को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इसके बाद दोनों ग्राम कचहरी सिरौना पहुंचे और सामाजिक मान्यता दिलाने की गुहार लगाई।

पंचों ने दी सामाजिक स्वीकृति-ग्राम कचहरी में उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों की सहमति की जांच के बाद पंचों ने विवाह को सामाजिक मान्यता देने का निर्णय लिया। पंचों को साक्षी मानकर अभ्यास कुमार ने मुन्नी कुमारी की मांग में सिंदूर भरकर तथा वरमाला पहनाकर उसे अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इस दौरान मौजूद ग्रामीणों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नवदंपति को शुभकामनाएं दीं।

वर्ष 2021 से चल रहा था प्रेम संबंध-वर अभ्यास कुमार ने बताया कि वर्ष 2021 से दोनों के बीच प्रेम संबंध था और दोनों साथ जीवन बिताने का निर्णय ले चुके थे। परिवार के विरोध के कारण उन्हें घर छोड़कर विवाह करना पड़ा। उन्होंने बताया कि वह किराना दुकान चलाते हैं, जबकि मुन्नी बीए की पढ़ाई कर रही हैं। शादी के बाद दोनों बाहर जाकर नई जिंदगी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। मौके पर ग्राम कचहरी सचिव श्रीराम, न्याय मित्र कृति कुमारी, पंच हरेंद्र पासवान, उर्मिला देवी, जोखन पासवान, मनोज कुमार, लक्ष्मण साह समेत कई ग्रामीण मौजूद थे। ग्राम कचहरी की इस पहल की क्षेत्र में चर्चा हो रही है और लोग इसे सामाजिक समरसता की दिशा में सकारात्मक कदम मान रहे हैं।

सौहार्द और भाईचारे के साथ मनेगा बकरीद का त्योहार

अरेराज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

बीएनएम @ अरेराज (पूर्वी चंपारण)

अरेराज (पूर्वी चंपारण)। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आपसी सौहार्द के माहौल में संपन्न कराने को लेकर अरेराज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने की। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक तथा दोनों समुदायों के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान पर्व के दौरान क्षेत्र में अमन-चैन और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों और दोनों समुदायों के लोगों ने एक स्वर में बकरीद पर्व को पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने प्रशासन को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की गंगा-जमुनी संस्कृति और कौमी एकता को हर हाल में कायम रखा जाएगा तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधि को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने लोगों से अपील की कि त्योहार के दौरान आपसी संवाद बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अप्रिय घटना की जानकारी तुरंत पुलिस प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में अरेराज नगर परिषद के मुख्य पार्षद रनटू पांडेय, उपमुख्य पार्षद अहमद आजाद, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद यति, वार्ड पार्षद रामनरायन प्रसाद, श्रवण कुमार, प्रमोद महतो समेत कई जनप्रतिनिधि, वार्ड सदस्य और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे। सभी ने समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

टीएमसी की उम्मीद गलत साबित हुई

टीएमसी की ये उम्मीद गलत साबित हुई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह 'हिंदुत्व- हिंदीó पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच पहले ही गलत साबित हो चुकी है। पश्चिम बंगाल का सियासी किला फतह करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 2026 का विधानसभा चुनाव युद्ध के अंदाज में लड़ा। अपने पास मौजूद तमाम गोले तो उसने वहां दागे ही, केंद्र में सत्ताधारी होने के नाते शासन तंत्र से हासिल होने वाली ताकत एवं प्रभाव का भी बेहिचक उपयोग किया। अपनी खास जूझारू भावना के लिए चर्चित ममता बनर्जी को चारों तरफ से घेर लेने की ये रणनीति कामयाब रही है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की विवादास्पद प्रक्रिया से तृणमूल कांग्रेस के लिए मुकाबले का धरातल असमान हो जाने के संकेत लगातार मिल रहे थे। निर्वाचन आयोग के अन्य कदमों ने टीएमसी की राह को और भी कठिन बनाया। अन्य संवैधानिक संस्थाओं ने भी चुनाव प्रक्रिया पर उठे प्रश्नों की फिक्र नहीं की। 15 साल लगातार सत्ता में रहने के बाद किसी नेता या पार्टी के लिए चुनावी मुकाबला वैसे भी आसान नहीं रह जाता। एंटी-इन्कबेंसी से उत्पन्न चुनौतियां उसके सामने खड़ी होती हैं। ये सारे पहलू मिलकर इस बार ममता बनर्जी पर भारी पड़े। टीएमसी की ये उम्मीद कमजोर जमीन पर खड़ी नजर आई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह 'हिंदुत्व- हिंदीó पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच एक दशक पहले ही गलत साबित हो चुकी थी। अब वहां भाजपा ने जीत की हैट-ट्रिक बनाई है। इस बार वह और बड़े बहुमत से सत्ता में लौट रही है।

यह इस समझ की पुष्टि है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के नेतृत्व में उग्र हिंदुत्व और कैश ट्रांसफर के जरिए मतदाताओं को लुभाने की रणनीति वहां कामयाब बनी हुई है। इसके अलावा संभव है राज्य में हुए विवादास्पद परिसीमन का लाभ भी भाजपा को मिला हो। वैसे, इन बातों की आड़ लेकर कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों को जनता से दूर रहते हुए सियासत करने (टीएमसी अभी तक इसका अपवाद है) की अपनी कमजोरी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्हें देर-सबेर यह समझना होगा कि उनका मुकाबला बुल्डोजर जैसी एक चुनाव मशीनरी से है, जो जीत की राह में किसी नैतिक बाधा से बंधी हुई नहीं है।

भय, भूख, लालच और सपनों की राजनीति

सनत जैन

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों की राजनीति पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट दिखाई देता है, भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना धीरे-धीरे सत्ता केंद्रित राजनीति में बदलती चली गई। वर्तमान राजनीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण से अधिक सत्ता प्राप्ति और सत्ता को बनाए रखना है। स्वतंत्रता आंदोलन से निकला नेतृत्व त्याग, संघर्ष और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। संविधान निर्माताओं ने भारत की विविधता को ध्यान में रखते हुए जो संविधान तैयार किया था, उसमें अंतिम शक्ति जनता के हाथ में रहे। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया गया। नागरिकों और मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई। इसे चौथा स्तंभ भीसंविधान का माना गया।ताकि कोई भी संस्था निरंकुश न हो सके। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के पास जिस तरह से प्रकृति का संचालन है, संविधान निर्माताओं ने यही व्यवस्था भारतीय संविधान में की। स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती 25 वर्षों में संसाधनों की भारी कमी, युद्ध, अकाल और आर्थिक संकट के बावजूद, तब की सरकारों ने बड़े-बड़े विकास कार्य किये। बड़े-बड़े सार्वजनिक उपक्रम तैयार किया। बड़े-बड़े शिक्षा के संस्थान और औद्योगिक प्रतिष्ठान उसी अवधि में तैयार किए गए। योजना आयोग के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच संघीय शासन व्यवस्था तथा संसाधनों का बंटवारा करने संवैधानिक संस्था बनाई गई। उस समय शासन व्यवस्था में नैतिकता दिखाई देती थी। सभी संवैधानिक संस्थाएं जनता के प्रति जवाबदेह थीं। 1947, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अकाल, खाद्यान्न संकट, तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के पास टैक्स के रूप में जब सीमित आर्थिक संसाधन थे। भारत ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्रता देते हुए उन्हें मजबूत किया। विकास की आधारशिला रखी। जब कोई व्यवस्था नहीं थी, उस दौर के नेतृत्व में वैचारिक मतभेद होने के बाद भी राष्ट्रहित सर्वोपरि था। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 का युद्ध और बांग्लादेश का निर्माण भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण वैश्विक स्तर पर आज भी माना जाता है।

1977 के बाद भारतीय राजनीति में बड़ा परिवर्तन आया। 1971 के युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर भारत में बहुत सारे प्रतिबंध लगाए गए। जो लंबे समय तक लागू रहे। भारत को ऊर्जा संकट का सामना कई वर्षों तक करना पड़ा। खाद्यान्न संकट का भी सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी ने इसका मुकाबला किया। प्रतिबंधों के कारण भारत में खाद्यान्न संकट महंगाई और मुनाफाखोरी बढ़, जनता की नाराजी बढ़ी। 1975 में सारे देश में आंदोलन शुरू हो गए। छात्र, ट्रेड यूनियन, विपक्षी राजनीतिक दल सब सड़कों पर आ गए। 1975 में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जयप्रकाश नारायण ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की- सेना और पुलिस सरकार की बात नहीं माने। इस समय इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित कर दिया था। जिसके कारण राजनीतिक अस्थिरता भी बढ़ गई थी। इंदिरा गांधी ने इस स्थिति से निपटने के लिए आपातकाल की घोषणा की। भारतीय संविधान में आपातकाल का प्रावधान था। सांसद ने भी इसकी पुष्टि की। आपातकाल के विरोध से पैदा हुई राजनीति सत्ता की राजनीति में वैचारिक स्थिरता नहीं ला सकी। गठबंधन, अवसरवाद और सत्ता की होड़ ने राजनीति की दिशा बदल दी।

लगभग ढाई वर्ष के बाद केंद्र में जो जनता पार्टी की सरकार बनी थी वह गिर गई। 1980 में पुनः चुनाव हुए जिसमें इंदिरा गांधी भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापस आई। 1984 में प्रधानमंत्री निवास में गोलियों से भूनकर उनकी हत्या कर दी गई थी। उसके बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। 75 वर्ष के इतिहास में वह सबसे ज्यादा सीटों के साथ चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बने। उन्होंने रक्षा सोदों में दलाली बंद करने का निर्णय लिया। तत्कालीन रक्षा मंत्री वीपी सिंह थे, उन्होंने प्रधानमंत्री राजीव गांधी के ऊपर बोफोर्स खरीदी में कमीशन लेने और विदेशी बैंक में जमा करने का आरोप लगाया। 1989 के चुनाव में भ्रष्टाचार राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया। कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। बीपी सिंह प्रधानमंत्री बने। जिस बोफोर्स घोटाले का उन्होंने आरोप लगाया था, प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वह उसे प्रमाणित नहीं कर सके। धीरे-धीरे राजनीतिक दलों का लक्ष्य जनसेवा से हटकर चुनावी प्रबंधन और सत्ता के सिंहासन तक सीमित होता चला गया। भारत की राजनीति में नैतिकता का स्थान अनैतिकता में बदलता चला गया। राजनीति स्वार्थ पर आधारित हो गई।

1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को नई दिशा दी। उदारीकरण के बाद भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा। प्रधानमंत्री नरसिंहाराव और वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने नई आर्थिक दिशा दी। 2004 मे मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने। वह 2014 तक प्रधानमंत्री के पद पर रहे। इन 10 वर्षों में भारत में बड़ी तेजी के साथ विकास हुआ। वह काम करने में विश्वास करते थे। वह राजनीतिज्ञ नहीं थे। इसका खामियाजा कांग्रेस को संगठन स्तर पर भुगतना पड़ा। 2014 के बीच आर्थिक विकास की गति ने दुनिया का ध्यान भारत की ओर आकर्षित किया। 2008 की वैश्विक मंदी के दौरान भारत ने अपेक्षाकृत संतुलित स्थिति बनाए रखी। 2014 के बाद राजनीति में राष्ट्रवाद, बड़े सपनों और प्रचार आधारित राजनीति के मॉडल का प्रभाव तेजी से बढ़ा। जनता को विकास, रोजगार और समृद्धि के बड़े-बड़े सपने दिखाए गए। इसी दौरान नोटबंदी जीएसटी एवं अन्य सुधार के नाम पर पिछले 12 वर्षों में केंद्र की सत्ता ने जो निर्णय लिए हैं, उसके कारण महंगाई, बेरोजगारी आर्थिक असमानता केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर बढ़ता कर्ज आम जनता के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता ही चला गया। इन्हीं 12 वर्षों में भारत में बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ी। सरकारी और कॉर्पोरेट नौकरी में संविदा नियुक्ति का चलन बढ़ा। मशीनीकरण बढ़ाने के कारण रोजगार के अवसर कम हुए। आज स्थिति यह है, आम नागरिक बढ़ते टैक्स, महंगी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा के खर्चों के भारी दबाव में है। युवाओं में बेरोजगारी गहरी निराशा पैदा कर रही है। आर्थिक नीतियों का लाभ कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों तक सीमित होकर रह गया है। मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग लगातार आर्थिक दबाव झेल रहा है। असंगठित क्षेत्र पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। पिछले 12 वर्षों में सरकार के निर्णय पूंजीपतियों के हित में हो रहे हैं। पिछले वर्षों में दो तरह के कानून प्रचलन में आ रहे हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। चुनाव आयोग, न्यायपालिका और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाव में काम करने के आरोप लग रहे हैं।

भारतीय राजनीति भय, भूख, लालच और सपनों के मिश्रण पर खड़ी है। सत्ता खोने का भय, सत्ता में असीमित समय तक बने रहने की भूख, संसाधनों पर सरकार का नियंत्रण, लालच की राजनीति, आर्थिक संसाधन पर सरकार का नियंत्रण, सत्ता में बने रहने के लिए जनता को प्रभावित करने सपनों की राजनीति ने लोकतंत्र को केवल चुनाव जीतने का माध्यम बना लिया है। जनविश्वास को बनाए रखने के लिए यदि सरकारें वास्तविक समस्याओं जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असंतुलन और सामाजिक असुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान नहीं देगी, तो असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी और लोकतांत्रिक चेतना है। सत्ता को समझना होगा, लोकतंत्र में विजय केवल प्रचार से नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से मिलती है। वर्तमान में जो हालात देखने को मिल रहे हैं, वह 1975 में जब आंदोलन शुरू हुए थे उसकी याद दिला रहे हैं। महंगाई बेरोजगारी मुनाफाखोरी के कारण इंदिरा गांधी को आपातकाल लगाना पड़ा था। वही स्थिति आज नजर आने लगी है। सरकार को गंभीरता से इस पर विचार करना होगा।

जनसांख्यिकीय विखंडनः भारत के संघवाद की नई परीक्षा

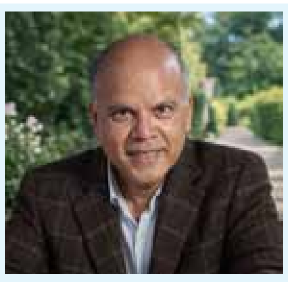

प्रो. पूर्णेन्दु रंजन

भारत के हालिया जनसांख्यिकीय संकेतक एक विरोधाभासी तस्वीर पेश करते हैं। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि कुल प्रजनन दर (TFR) अब 1.9 के करीब आ गई है — एक ऐसी संख्या जिसे नीतिनिर्माता अक्सर सफलता के रूप में पढ़ते हैं। पर यह राष्ट्रीय औसत एक खतरनाक भ्रम पैदा कर रहा है। देश अब स्पष्ट रूप से विभाजित जनसांख्यिकीय क्षेत्रों का मोज़ेक बन चुका हैः उत्तरमध्य बेल्ट में तेज़ जनसंख्या वृद्धि और दक्षिणीशहरी केंद्रों में अल्ट्रालो प्रजनन दर। इस विखंडन का अर्थ केवल सांख्यिकीय नहीं; यह आर्थिक, सामाजिक और संवैधानिक परिणामों का एक जटिल सेट है।

औसत के पीछे की असमानता- जब हम राष्ट्रीय औसत पर अटक जाते हैं, तो स्थानीय वास्तविकताओं की अनदेखी हो जाती है। बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्य अभी भी 2.4–2.9 के टीएफआर पर हैं — यानी युवा आबादी का दबदबा। दूसरी ओर केरल, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे क्षेत्र 1.2–1.3 के स्तर पर पहुँच चुके हैं, जो पूर्वी एशिया के जनसांख्यिकीय संकटों की तरह दिखते हैं। इसका मतलब यह है कि कुछ हिस्सों में युवालाभांश अभी भी मौजूद है, जबकि अन्य हिस्सों में वृद्धावस्था की तीव्रता बढ़ रही है। नीतिनिर्माण के लिए यही सबसे बड़ी चुनौती हैः एक ही राष्ट्रीय नीति से इन परस्पर विरोधी जरूरतों को संतुलित नहीं किया जा सकता।

स्वास्थ्य संकेतकः रिकॉर्ड और वास्तविकता में फर्क- अस्पतालों में प्रसव की दर 95% से ऊपर पहुँचने के बावजूद शिशु और नवजात मृत्यु दर में राज्यवार भारी भिन्नता बनी हुई है। छत्तीसगढ़ में संस्थागत प्रसव 97% तक पहुँच गया, फिर भी उसका IMR देश में सबसे ऊँचा बना हुआ है; वहीं जम्मूकश्मीर ने IMR में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। यह स्पष्ट करता है कि केवल संस्थागत प्रसव को बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं — प्रसव के बाद की देखभाल, पोषण, नवजात इकाइयों की उपलब्धता और मातृस्वास्थ्य की गुणवत्ता पर ध्यान देना अनिवार्य है।

ग्रामीणशहरी विभाजन और लैंगिक असमानताएँ भी चिंताजनक हैंः असम में ग्रामीण IMR 31 है जबकि शहरी 14; बिहार में लड़कियों की मृत्यु दर लड़कों से अधिक है। नवजात मृत्यु दर (NMR) अब कुल शिशु मौतों का बड़ा हिस्सा बन चुकी है, और यह संकेत देती है कि संकट का केंद्र जन्म के तुरंत बाद के पहले 2830 दिनों में है — एक ऐसा क्षेत्र जिसे केवल अस्पताल में दाखिले से ठीक नहीं किया जा सकता।

उत्तरपश्चिम का सामाजिक संकट- पंजाब और हरियाणा का मामला अलग तरह का खतरा दर्शाता है। यहाँ गिरती जन्म दर ने पितृसत्तात्मक संरचनाओं के भीतर पुत्रवरीयता को और तीव्र कर दिया है। छोटे परिवारों की रणनीति ने कन्या भ्रूण हत्या और विकृत लिंगानुपात को जन्म दिया, जिससे विवाहसंकट और मानवतस्करी जैसी सामाजिक समस्याएँ उभर रही हैं। साथ ही, स्थानीय श्रमबल में कमी ने कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। इन चुनौतियों का समाधान केवल सामाजिक जागरूकता से नहीं होगा; संपत्ति और भूमि अधिकारों में संरचनात्मक बदलाव की आवश्यकता है ताकि महिलाओं को वास्तविक आर्थिक अधिकार मिलें और पुत्रवरीयता का आर्थिक आधार कमजोर हो।

संघीय संरचना पर असर- यह जनसांख्यिकीय विखंडन संवैधानिक और राजनीतिक परिणाम भी लाएगा। भारत में संसदीय प्रतिनिधित्व और वित्तीय आवंटन दशकों से जनसंख्या के कुल आकार पर आधारित रहे हैं। जब कुछ राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता पाई और अन्य राज्यों में जनसंख्या बढ़ी, तो परिसीमन (delimitation) और संसदीय सीटों के पुनर्वितरण के समय असंतुलन पैदा हो सकता है। 2026 के बाद संभावित परिसीमन के परिप्रेक्ष्य में यह सवाल उठता हैः क्या जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को कम प्रतिनिधित्व देकर दंडित किया जाएगा? और क्या तेज़ जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को अधिक संसाधन मिलेंगे? ऐसे बदलाव संघवाद के नाजुक संतुलन को हिला सकते हैं और क्षेत्रीय असंतोष को बढ़ा सकते हैं।

आंतरिक प्रवासनः आर्थिक समाधान, सामाजिक तनाव- निम्नप्रजनन वाले क्षेत्रों में श्रम की कमी को पूरा करने के लिए आंतरिक प्रवासन बढ़ेगा। उत्तरमध्य से दक्षिण और पश्चिम की ओर प्रवाह आर्थिक रूप से आवश्यक है, पर यह सांस्कृतिक और भाषाई टकराव भी पैदा करता है। गंतव्य राज्यों में स्थानीय आबादी का डर और 'सन्स ऑफ द सोइल' की राजनीति उभरती है, जिससे सामाजिक समरसता पर दबाव बढ़ता है। प्रवासन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक समन्वय और अधिकारों के पोर्टेबिलिटी के नजरिए से भी व्यवस्थित करना होगा।

नीतिगत प्राथमिकताएँ — क्या करना चाहिए- यहाँ कुछ व्यावहारिक और लक्षित नीतियाँ सुझाई जा सकती हैंः

नवजात मृत्यु दर पर लक्षित वित्तीय प्रोत्साहनः राज्यों को मिलने वाली सहायता को संस्थागत प्रसव के आंकड़ों से जोड़ने के बजाय NMR में कमी पर आधारित किया जाए; उपजिला स्तर पर SNCU का विस्तार अनिवार्य हो।

भूमि और संपत्ति अधिकारों का सख्त प्रवर्तनः पंजाबहरियाणा जैसे क्षेत्रों में डिजिटल भूमि रजिस्ट्री और स्वतः सहनामांकन, परित्याग पत्रों पर न्यायिक समीक्षा और स्टैम्प ड्यूटी में लक्षित प्रोत्साहन लागू किए जाएँ।

सिल्वर इकॉनमी का निर्माणः कमप्रजनन वाले क्षेत्रों में बुजुर्गों के लिए दीर्घकालिक देखभाल, असिस्टेडलिविंग और महंगाईसमायोजित पेंशन प्रणाली को प्राथमिकता दी जाए।

प्रवासी श्रमिकों के लिए पोर्टेबल अधिकारः स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लाभों को राष्ट्रीय डिजिटल रजिस्ट्री के तहत पोर्टेबल बनाया जाए; प्रवासनकेंद्रों पर सांस्कृतिक समन्वय केंद्र स्थापित किए जाएँ।

अंतिम शब्द- "भारत का प्रजनन संक्रमण केवल एक संख्यात्मक गिरावट नहीं है; यह इस उपमहाद्वीप के आर्थिक और भूराजनीतिक भविष्य का एक जटिल पुनर्लेखन है।" यह कथन दस्तावेज़ की सटीक चेतावनी हैः देश अब समरूप नहीं रहा, बल्कि विविध और विरोधाभासी जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं का मोज़ेक बन चुका है। नीतिनिर्माताओं के सामने असली परीक्षा यह है कि वे इन विरोधाभासी रुझानों को संघीय ढाँचे को नुकसान पहुँचाए बिना कैसे संभालते हैं। स्थायित्व तभी सुनिश्चित होगा जब प्रशासनिक मशीनरी लक्षित स्वास्थ्य हस्तक्षेप, संपत्ति सुधार और लचीला अंतरराज्यीय प्रवासन ढाँचा एक साथ लागू करने की हिम्मत दिखाएगी।

मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता से कोई बाधित कार्य संपन्न हो सकता है। आज मित्रों के साथ में मुलाकात के अवसर बनेंगे और विचारों का आदान-प्रदान भी रहेगा। जिससे कई समस्याओं का समाधान मिलने में भी आसानी होगी। आज परिवार में कोई धार्मिक आयोजन भी संपन्न हो सकता है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप अपनी समझदारी और सूझबूझ द्वारा कोई समस्या का हल निकालने में सक्षम होंगे। आज पारिवारिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज आप लेखन कार्य में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातों का प्रभाव दूसरों पर पड़ेगा। अगर आप कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में कोई नया काम भी सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे। आर्किटेक्ट और इन्जीनियरिंग वालों के लिए आज सफलता भरा दिन है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप बुद्धिमत्ता व होशियारी से सभी काम बेहतर तरीके से कर पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग भी व्यर्थ की बातों से ध्यान हटाकर अपने अध्ययन के प्रति जागृत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। लेकिन ध्यान रखिए, सफलता हासिल करने के लिए आज आपको बहुत मेहनत की जरूरत है।

सिंह राशिः आज आप अपने दिन की शुरुआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे। मित्र के साथ किसी विदेश की यात्रा का योग बन रहा है। किसी बहुत इम्पोर्टेन्ट पर्सन से मुलाकात होगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शांति से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। अधिकारियों और निचले वर्ग के लोगों से भी समय-समय पर मदद मिलेगी। आज आपके बिजनेस मे तरक्की होगी। ऑफिस में वह काम आपको आज मिल सकता है, जिसके लिए आप बहुत उत्सुक थे।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस संबंधी योजना चल रही है, तो उस पर काम करने की कोशिश करें। आज आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। अगर आपका कोई सरकारी मामला अटका हुआ है तो आज उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। आपको सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपनी योग्यता और कार्यकुशलता द्वारा उम्मीद से ज्यादा लाभ हासिल करने वाले हैं। आज कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों और सहयोगियों का भरपूर समर्पण रहेगा। आपकी एकाग्रता और उपस्थिति माहौल को अनुशासित रखेगी। आज घर के वातावरण को अनुशासित बनाकर रखने में आपका पूरा सहयोग रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज घर और बिजनेस दोनों जगह सामंजस्य रखेंगे और निजी कामों के लिए भी समय निकालने में सफल होंगे। पारिवारिक संबंधों में मजबूती आएगी। बुजुर्गों के आशीर्वाद और स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा रहेगी। आज का समय भरपूर मेहनत करने का है। आपको अपने प्रयासों के निश्चित ही उचित परिणाम मिलेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें । माता - पिता का आशीर्वाद लेकर घर से निकलेंगे, साथ ही आज आपका कोई रुका काम बनेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे। परिवार में सुख संतोष बढ़ेगा। स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज माता-पिता के आशीर्वाद से किये गये कामों में आपको सफलता मिलेगी परिवार को जोड़कर चलने से आपकी भूमिका बड़ी हो जाएगी।

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरुआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है।जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है।आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरुआत और संस्थापकः इसकी शुरुआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं।विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है।अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टेकेगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरुआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरुआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी। बहरहाल सीजेपी का ऊफान कितने समय और कितना रफ्तार पकड़ेगा और क्या भारत सरकार और सत्तारूढ़ एनडीए के लिए कोई मुसीबत बनेगा यह नतीजा निकालना अभी जल्दबाजी होगा लेकिन इतना तय है कि इस सोशल मीडिया पर खड़े किए जा रहे तूफान को पाकिस्तान और खालिस्तानी समर्थक लोग जमकर टैग फोलो कर रहे हैं और इनकी बड़ी तादाद इस हवाई किले की बुनियाद में शामिल हो रही है आशंका यह भी है कि अमेरिका समेत कुछ विदेशी ताकतों द्वारा ऐसे अभियान को बैकडोर से हवा दी जा रही है वहीं विपक्ष भी मोदी के अश्वमेध यज्ञ को कमजोर करने के लिए ऐसे अभियान को साधन बनाने के लिए बेताब है। जाहिर है कि यह एक झोका है जो एक दो हफ्ते में कमजोर पड़ जाएगा और इस में राजनीतिक भविष्य तलाश रहे विपक्षी दलों की उम्मीदों पर भी पानी फिर जाएगा और मोदी फिर तंज कसेंगे तुमसे ना हो पाएगा !

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीग्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा

नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं। लखनऊ सुपरजायंटस के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्हें 27 करोड़ रुपये में टीम ने बरकरार रखा था, उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में है। पिछले दो सीजन में सुपरजायंटस का खेल कुछ ऐसा रहा है कि वे अक्सर टूर्नामेंट की शुरुआत खराब करते हैं, लेकिन जब प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर होते हैं तो खिलाड़ी फॉर्म में लौट आते हैं और कुछ मैच जीतते भी हैं। सुपरजायंटस उन्हें एक खिलाड़ी के तौर पर रिटेन तो कर सकती है, लेकिन टीम को नए कप्तान की तलाश करनी होगी। टीम में मिचेल मार्श और एडन मारक्रम जैसे अनुभवी अंतरराष्ट्रीय कप्तान विकल्प मौजूद हैं जिन्हें जिम्मेदारी मिल सकती है। इस सत्र में भी कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछले सत्र में भी रहाणे की कप्तानी में टीम असफल रही थी। केकेआर को एक आक्रामक कप्तान की तलाश है, जो नई सोच और ऊर्जा के साथ टीम को आगे ले जा सके और उसे जीत के रास्ते पर वापस ला सके। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के लिए आईपीएल 2026 निराशाजनक रहा। गुजरात टाइटंस को एक ट्रॉफी जिताने और दो बार फाइनल तक पहुंचाने वाले हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी के बाद से उनका प्रदर्शन फीका पड़ा है। आईपीएल 2026 में गेंद और बल्ले दोनों से उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, कप्तानी का दबाव उनके खेल पर साफ दिखा। मुंबई अगले सत्र में उनकी जगह किसी और को कप्तान बना सकती है।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी।

ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल

नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ

की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई।

आईपीए 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

एजेंसी, मुम्बई। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है। ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

एजेंसी, मुम्बई

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर

5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके। फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए, उन्होंने नाबाद 71 रनों की कप्तानी पारी खेली। वहीं तीसरे भारतीय हैं युवराज सिंह। युवराज ने ने 6 मार्च 2011 को बेंगलुरु में आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मैच के दौरान यह जादुई प्रदर्शन किया। उन्होंने से 31 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके बाद नाबाद 50 रनों की पारी खेली। इस विशिष्ट क्लब में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। वह दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 3 अलग-अलग एकदिवसीय डे मैचों में अर्धशतक और 5 विकेट लेने का यह दोहरा कारनामा किया है, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए एक अटूट रिकॉर्ड है। पहली बार अफरीदी ने 27 अक्टूबर 2000 को लाहौर के अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ से 61 रनों की तूफानी पारी खेली और 40 रन देकर 5 विकेट लिए।

बिजनेस

भारत-कनाडा साल के अंत तक व्यापार समझौता वार्ता पूर्ण करने पर कर रहे विचार

- गोयल ने कनाडा में भारत की विकास यात्रा और बाजार के अवसरों की सराहना की
- कार्नी से भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर की वार्ता

एजेंसी, ओटावा

भारत और कनाडा ने आर्थिक संबंधों को फिर से मजबूत करने की दिशा में नई पहल का संकेत दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देश इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी करने पर विचार कर रहे हैं। गोयल ने विश्वास जताया कि दोनों देश 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को तीन गुना बढ़ाकर 50 अरब डॉलर तक पहुंचा सकते हैं। साथ ही इस साल के अंत से पहले लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य भी रखा है। पीयूष गोयल ने मंगलवार

को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि दोनों देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। गोयल ने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भारत की विकास यात्रा और बाजार में मौजूद बेहतरीन अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओटावा में हुई सार्थक चर्चाओं की सराहना भी की और अर्थव्यवस्था व संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में गहरे संबंध बनाने में भारतीय प्रवासियों के योगदान की तारीफ़ की। गोयल ने कहा कि मैंने भारत की असाधारण विकास यात्रा के बारे में बात की, जो यहां के लोगों की आकांक्षाओं, उद्यमशीलता की जीवंत भावना, विशाल प्रतिभा-भंडार और बाजार के व्यापक अवसरों से प्रेरित है। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के शीघ्र संपन्न होने को लेकर आशावाद भी व्यक्त किया।

गोयल ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उनकी हाल की भारत यात्रा को स्नेहपूर्वक याद किया, जिसने भारत-कनाडा साझेदारी को एक नई गति और नया आत्मविश्वास प्रदान किया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 25 मई से कनाडा की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। भारत और कनाडा के बीच संबंध 2023 में उस समय तनावपूर्ण हो गए थे, जब कनाडा में खालिस्तानी सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने भारत पर आरोप लगाए थे।

दो सप्ताह में चौथी बार बढ़ा सीएनजी का भाव, दिल्ली में कीमत 83.09 रुपये तक पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को लगातार झेलना पड़ रहा है। सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी होने के अगले दिन ही आज सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) की कीमत भी बढ़ा दी गई। आज सुबह छह बजे से ही सीएनजी दो रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो गई है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत 83.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। 15 मई के बाद से अभी तक की अवधि में सीएनजी की कीमत में चौथी बार बढ़ोतरी की गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत 91.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जबकि गुरुग्राम में सीएनजी 88.12 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर मिल रही है। इसी तरह अजमेर में सीएनजी की कीमत बढ़ कर 92.44 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना आज 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में आज 520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक का इजाफा हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,61,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला राजनंदिनी फैशन का आईपीओ, तीन जून को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

महिलाओं के लिए डिजाइनर कपड़े का प्रोडक्शन और मार्केटिंग करने वाली कंपनी राजनंदिनी फैशन इंडिया लिमिटेड का 18.21 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर एक बजे तक इस आईपीओ को 50 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 59 रुपये से लेकर 63 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28.90 लाख नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.78 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.13 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.09 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

भारत-जापान संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को नई गति प्रदान की

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत-जापान के बीच कार्यबल गतिशीलता सहयोग पर चर्चा के लिए 25 मई को टोक्यो में आयोजित संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को नई गति प्रदान की। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि यह संगोष्ठी जापान स्थित भारतीय दूतावास और जापान की आसियान वन कंपनी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से टोक्यो में आयोजित की गई थी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव वंदना गुरनानी ने इस संगोष्ठी को संबोधित किया। मंत्रालय ने कहा कि भारत-जापान के बीच कुशल कार्यबल गतिशीलता और मानव संसाधन विकास में दीर्घकालिक सहयोग पर चर्चा के लिए आयोजित संगोष्ठी में जापानी नीति निर्माताओं, उद्योग के जगत प्रमुखों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यबल गतिशीलता से जुड़े हुए हितधारकों को एक मंच पर लाया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव ने अपने संबोधन में वैश्विक कार्यबल के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने पारदर्शी, नैतिक और व्यापक अंतरराष्ट्रीय श्रम गतिशीलता मार्ग तैयार करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन आसियान ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशियाकी निशिकावा के संबोधन से हुआ, जिन्होंने भारत-जापान के बीच दीर्घकालिक जन-सहयोग के महत्व पर बल दिया।

सब्सक्रिप्शन के लिए एसएमआर ज्वेल्स का आईपीओ लॉन्च, 29 मई तक बोली संभव

एजेंसी, नई दिल्ली

ज्वेलरी सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी एसएमआर ज्वेल्स लिमिटेड का 67.23 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 128 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का

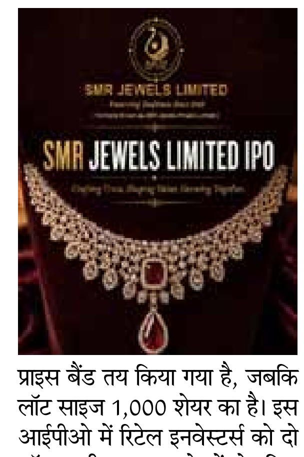

प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,70,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49.80 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 51 करोड़ रुपये के 37.51 लाख नए शेयर और लगभग 13 करोड़ रुपये के 9.80 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 2.49 लाख नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 9.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.51 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 37.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

जन्मदिन मुबारक हो मेरी लाइफलाइनः मौनी रॉय

अपनी करीबी मित्र त्रिशा गोकुलदास के जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। शेयर की गई तस्वीरों में दोनों दोस्तों के साथ बिताए गए खास पलों की झलक देखने को मिली। तस्वीरों में उनकी यात्राओं और मस्ती भरे लम्हों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। मौनी रॉय ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, "जन्मदिन मुबारक हो मेरी लाइफलाइन। तुम्हारे बिना जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकती। हमेशा मेरे साथ रहने और मेरा सहारा बनने के लिए धन्यवाद। भगवान करे तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों और प्यार से भरी रहे।" अभिनेत्री के इस पोस्ट पर प्रशंसक लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और त्रिशा गोकुलदास को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। मौनी रॉय टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से की थी। हालांकि, उन्हें असली पहचान टीवी शो देवों के देव... महादेव में 'सती' के किरदार से मिली। इसके बाद नागिन में 'शिवान्या' की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों के बीच खास लोकप्रियता हासिल की। अभिनेत्री कई रियलिटी शोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह जरा नच के दिखा और झलक दिखला जा जैसे डांस रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं।

छोटे पर्दे पर सफलता हासिल करने के बाद मौनी ने बॉलीवुड में कदम रखा और फिल्म गोल्ड से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में उनके प्रदर्शन को काफी सराहा गया था और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर नामांकन भी मिला था। वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय जल्द ही फिल्म द वाइव्स में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह एक ड्रामा फिल्म है, जिसमें बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियों की जिंदगी, उनके संघर्ष, रहस्य और ग्लैमर के पीछे छिपी सच्चाइयों को

पूजा भट्ट पुरानी तस्वीर शेयर कर खोई यादों में, हुई भावुक

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के साथ अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए अभिनेत्री पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर खास तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों को मशहूर फोटोग्राफर गौतम राजाध्यक्ष ने कैमरे में कैद किया था। तस्वीरों में पूजा भट्ट और आमिर खान सफेद कपड़ों में बेहद सहज अंदाज में पोज देते नजर आ रहे हैं। फोटोशूट की सादगी और दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। तस्वीरें साझा करते हुए पूजा भट्ट ने लिखा कि किसी दिन वह इन अचानक खींची गई तस्वीरों के पीछे की पूरी कहानी जरूर बताएंगी। उन्होंने बताया कि यह फोटोशूट गौतम राजाध्यक्ष के ह्यूज रोड स्थित घर की बालकनी में किया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी उस कहानी को साझा करने का समय नहीं आया है और लोगों को थोड़ा इंतजार करना होगा। पूजा भट्ट ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि वह पहले आमिर खान की यादें ताजा करवाना चाहती हैं और कई साल पहले किए गए एक वादे को निभाते हुए सही समय आने पर पूरी कहानी साझा करेंगी। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस लगातार तस्वीरों और दोनों कलाकारों की पुरानी फिल्मों को याद कर रहे हैं। गौरतलब है कि पूजा भट्ट और आमिर खान ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है। दोनों की जोड़ी को खास तौर पर फिल्म दिल है कि मानता नहीं में काफी पसंद किया गया था। साल 1991 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन महेश भट्ट ने किया था, जबकि इसका निर्माण गुलशन कुमार ने किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी और पूजा भट्ट के करियर की सबसे सफल फिल्मों में गिनी जाती है। इसी फिल्म के जरिए उन्होंने मुख्यधारा की अभिनेत्री के तौर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई थी। इसके अलावा दोनों कलाकार पहला नशा में भी साथ नजर आए थे। साल 1993 में रिलीज हुई इस मिस्ट्री-थ्रिलर फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर ने किया था और यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म थी। फिल्म में दीपक तिजोरी, रवीना टंडन और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म की खास बात यह थी कि इसमें पहली बार आमिर खान और शाहरुख खान एक साथ स्क्रीन साझा करते नजर आए थे।

अकेले रहना आत्मविश्वास की पहचान है : रिद्धि डोगरा

सोशल मीडिया पर हाल ही में एक भावुक और प्रेरणादायक पोस्ट साझा कर अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने अकेले रहने को लेकर अपनी सोच जाहिर की है। अभिनेत्री ने कहा कि अकेले रहना किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और मानसिक मजबूती की पहचान है। उनकी इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और प्रशंसक लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। रिद्धि डोगरा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाल रंग की साड़ी में एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक कैफे में अकेले बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लंबा संदेश लिखते हुए कहा कि जब इंसान अकेले कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ समय बिताने से डरना छोड़ देता है, तब समाज उसे अलग नजर से देखने लगता है। अभिनेत्री के अनुसार ऐसा इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति समाज की पारंपरिक सोच से हटकर अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीना शुरू कर देता है। उन्होंने आगे लिखा कि जब कोई खुद के साथ खुश रहना सीख जाता है, तब वह दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से मुक्त हो जाता है। ऐसे लोग अपनी जिंदगी दूसरों की स्वीकृति पाने के लिए नहीं जीते, बल्कि अपनी खुशी और मानसिक शांति को प्राथमिकता देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस दौर में इंसान लोगों को पसंद जरूर करता है, लेकिन उन्हें अपने जीवन में जबरदस्ती बांधकर रखने की कोशिश नहीं करता। जरूरत पड़ने पर वह लोगों को जाने देना भी सीख जाता है, जबकि उसके मन में उनके लिए सम्मान और प्रेम बना रहता है। रिद्धि डोगरा ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि अधिकांश लोग इस तरह की सोच को आसानी से समझ नहीं पाते, इसलिए उन्हें यह समझने में मुश्किल होती है कि ऐसे व्यक्ति के साथ किस तरह व्यवहार किया जाए। उन्होंने लिखा कि जिंदगी हर किसी को कभी न कभी अकेलापन जरूर देती है, लेकिन असली ताकत तब होती है जब इंसान उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लेता है और उसी के साथ अपनी छोटी-सी खूबसूरत दुनिया तैयार कर लेता है। अभिनेत्री की इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग प्रेरणादायक बता रहे हैं। कई प्रशंसकों ने उनकी सोच की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में मानसिक शांति और आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी हो गई है।

ऐश्वर्या राय और आराध्या की बॉन्डिंग की जमकर हुई तारीफ

लंबे समय बाद कान्स फिल्म फेस्टिवल में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने शानदार अंदाज में वापसी की है। फिल्म फेस्टिवल में इस बार उनके साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी नजर आईं। मां-बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। कान्स में ऐश्वर्या राय ने बेबी पिंक रंग का आकर्षक आउटफिट पहना, जिसमें फ्लोइंग केप स्लीव्स और चमकदार फूलों की कढ़ाई ने उनके लुक को बेहद खास बना दिया। उन्होंने अपने लुक को सॉफ्ट कर्ल्स, ग्लॉसी मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ पूरा किया, जिससे उनकी खूबसूरती और भी निखरकर सामने आई। हमेशा की तरह ऐश्वर्या ने अपने ग्रेस और एलिगेंस से रेड कार्पेट पर अलग छाप छोड़ी। वहीं आराध्या बच्चन ने भी अपने स्टाइल से सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने सैटिन रेड गाउन के साथ चमकदार केप पहनी थी, जो उनके लुक को बेहद रॉयल बना रही थी। फ्रेंच रिवेरा के खूबसूरत माहौल में मां-बेटी की यह जोड़ी किसी फिल्मी दृश्य जैसी नजर आई। फैंस ने सोशल मीडिया पर दोनों की बॉन्डिंग और स्टाइल की जमकर तारीफ की। कान्स में अपने पहले रेड कार्पेट अपीयरेंस के दौरान ऐश्वर्या ने रॉयल ब्लू बॉडीकॉन गाउन पहना था। इस गाउन में कंधों के पास खास डिजाइन और पूरे आउटफिट पर चमकदार कढ़ाई की गई थी। उन्होंने इस लुक को बेहद कम एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया, जिससे गाउन की भव्यता और उनकी पर्सनैलिटी दोनों उभरकर सामने आए। फैशन विशेषज्ञों और फैंस ने उनके दोनों लुक्स की काफी सराहना की। कान्स रवाना होने से पहले ऐश्वर्या और आराध्या को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी साथ देखा गया था। दोनों ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करती नजर आईं। एयरपोर्ट पर ऐश्वर्या ने एक छोटे फैन के साथ तस्वीर खिंचवाकर अपने विनम्र स्वभाव की झलक भी दिखाई, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया। ऐश्वर्या राय बच्चन का कान्स फिल्म फेस्टिवल से पुराना रिश्ता रहा है। उन्होंने साल 2002 में देवदास के साथ कान्स में डेब्यू किया था। उस दौरान उनके साथ शाहरुख खान और संजय लीला भंसाली भी मौजूद थे। तब से लेकर अब तक ऐश्वर्या लगातार कान्स के रेड कार्पेट पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करती रही हैं।

रोजाना बर्फ खाने से हो सकते हैं ये 5 स्वास्थ्य जोखिम, आज ही बदलें यह आदत

बर्फ खाने की आदत कई लोगों को होती है। यह आदत भले ही आपको मजेदार लगे, लेकिन इसके कई स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। बर्फ खाने से आपके मुंह, गले और पेट पर बुरा असर पड़ सकता है। इस लेख में हम आपको रोजाना बर्फ खाने से होने वाले कुछ गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस आदत को सुधार सकें और अपने स्वास्थ्य का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकें।

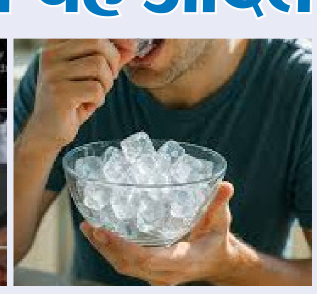

दांतों को हो सकता है नुकसान

रोजाना बर्फ खाने से आपके दांतों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। बर्फ बहुत ठंडी होती है, जो दांतों की ऊपरी परत को कमजोर कर सकती है। इससे दांत संवेदनशील हो जाते हैं और दर्द भी हो सकता है। इसके अलावा बर्फ चबाने से दांतों में दरारें पड़ सकती हैं, जिससे कीड़े लग सकते हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि आप बर्फ खाने की आदत को छोड़ दें और पानी को प्राथमिकता दें।

पेट पर पड़ सकता है बुरा असर

बर्फ खाने से पेट पर भी बुरा असर पड़ सकता है। ठंडी बर्फ पेट के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा बर्फ खाने से पेट में गैस बन सकती है, जिससे पेट दर्द और अपच की समस्या हो सकती है। बर्फ पेट में जा कर कुछ देर के लिए ठंडक तो प्रदान करती है, लेकिन इसका बाद में जो असर होता है, वो अच्छा नहीं होता है। रोजाना बर्फ खाने से शरीर का तापमान असंतुलित हो सकता है। इससे शरीर को सामान्य तापमान पर वापस आने में समय लग सकता है, जिससे ठंड लग सकती है। इसके अलावा बर्फ खाने से शरीर में सूजन बढ़ सकती है, जिससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि आप बर्फ खाने की आदत को छोड़ दें और पानी को प्राथमिकता दें। अगर गर्मी महसूस हो रही हो तो ठंडा पानी पी लें। रोजाना बर्फ खाने से दिल की सेहत पर भी असर पड़ सकता है। बर्फ खाने से खून की नसें सिकुड़ सकती हैं, जिससे खून का दबाव बढ़ सकता है और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा बर्फ खाने से दिल की धड़कन भी अनियमित हो सकती है, जो एक खतरे की घंटी होती है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप बर्फ खाने की आदत को छोड़ दें और पानी को प्राथमिकता दें।

गले में हो सकता है संक्रमण

बर्फ खाने से गले में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। ठंडी बर्फ गले के अंदरूनी हिस्से पर असर डाल सकती है, जिससे सूजन और जलन हो सकती है। इससे गले में खराश, खांसी और दर्द भी हो सकता है। इसके अलावा ठंडी बर्फ खाने से गले की नसें सिकुड़ सकती हैं, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। ऐसे में आपको बात करने या खाने-पीने में भी असुविधा झेलनी पड़ सकती है।

मेकर्स को 'रामायण' से कमाई के रिकार्ड टूटने की उम्मीद

अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को फिल्ममेकर नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करने की तैयारी में जुटे हैं। इस मेगाबजट पौराणिक फिल्म को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और ट्रेड मार्केट में अभी से जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। रणबीर कपूर अभिनीत यह फिल्म रिलीज से पहले ही कमाई के कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस फिल्म के थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स को लेकर बड़े स्तर पर बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि निर्माता नमित मल्होत्रा हिंदी थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स के लिए इंडस्ट्री के कई बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स से चर्चा कर रहे हैं। फिल्म के हिंदी थिएट्रिकल राइट्स के लिए करीब 450 करोड़ रुपये की मांग की गई है, जिसने ट्रेड जगत में हलचल मचा दी है। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा 300 से 400 करोड़ रुपये के बीच भी तय होता है, तो यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील साबित हो सकती है। फिलहाल हिंदी सिनेमा में सबसे बड़ी थिएट्रिकल डील का रिकॉर्ड शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' के नाम बताया जा रहा है, जिसके ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स लगभग 250 करोड़ रुपये में बिकने की चर्चा है। ऐसे में 'रामायण' के लिए मांगी जा रही कीमत को बेहद बड़ी और ऐतिहासिक माना जा रहा है। सिर्फ सिनेमाघरों तक ही नहीं, बल्कि डिजिटल और सैटेलाइट राइट्स को लेकर भी मेकर्स की बड़ी योजना है। खबरों के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने फिल्म के दोनों भागों के संयुक्त स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए करीब 700 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया था, लेकिन निर्माताओं ने इस ऑफर को स्वीकार नहीं किया। कहा जा रहा है कि मेकर्स डिजिटल राइट्स के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की डील की उम्मीद कर रहे हैं। करीब 4000 करोड़ रुपये के विशाल बजट में तैयार हो रही इस फिल्म को भारतीय सिनेमा का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है। ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि यदि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरती है, तो यह बॉक्स ऑफिस पर पुराने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर सकती है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि 'केजीएफ' फेम अभिनेता यश रावण के किरदार में दिखाई देंगे।

Quad foreign ministers push Indo-Pacific security resilient supply chains amid global uncertainty

New Delhi, Agency: The Quad grouping on Tuesday sharpened its focus on Indo-Pacific security, resilient supply chains and strategic cooperation amid growing geopolitical tensions and economic uncertainty, as the foreign ministers of India, the United States, Japan and Australia met in New Delhi for high-level talks.

Opening the Quad Foreign Ministers' Meeting, External Affairs Minister S. Jaishankar said the four countries would deliberate on "shared activities" against the backdrop of rapidly evolving global challenges, with particular focus on the Indo-Pacific.

"At the global level, we have to address issues like supply chain resilience, connectivity choke points, manufacturing and resource concentrations, and gaps in critical infrastructure," Jaishankar said, adding that each challenge strengthened the case for "more partnerships, stronger growth and realising the promise of technologies".

He said the Indo-Pacific required enhanced strategic confidence, maritime security, economic choices and "trusted and transparent partnerships".

Describing the Quad nations as "maritime democracies, pluralistic societies and market economies", Jaishankar said they shared a collective responsibility toward ensuring a "free and open Indo-Pacific".

Anil Agarwal Launches Vividh Verse Magazine Celebrating India

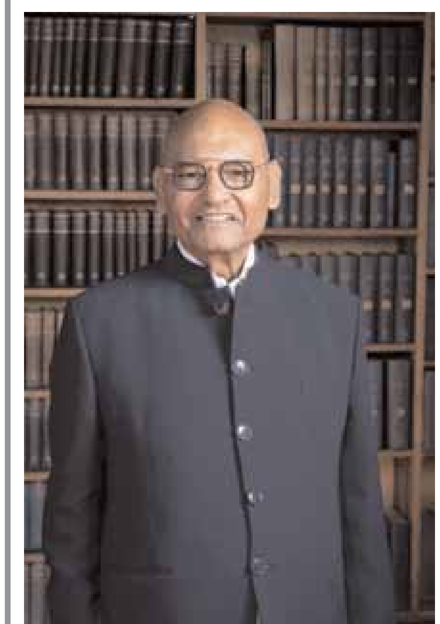

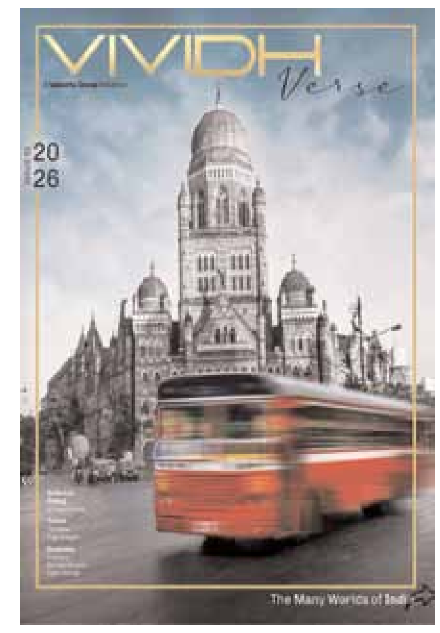

New Delhi : Anil Agarwal, Chairman of Vedanta Limited, has announced the launch of Vividh Verse, a new premium magazine designed to celebrate India's rich cultural heritage, diverse voices, and emerging ideas. The announcement was made through a post on X, where Agarwal described the publication as the fulfillment of a long-standing vision to create a platform that reflects the many colours, traditions, perspectives, and aspirations of India and the wider world.

According to Agarwal, Vividh Verse aims to bridge the country's historical legacy with conversations about the future. The magazine covers a broad spectrum of subjects, including culture, public policy, entrepreneurship, innovation, sports, wellness, grassroots development, technology, food, and contemporary social issues. He described it as a space where "food and food for thought" coexist, offering readers meaningful stories, insights, and dialogue.Designed as a bilingual and collectible publication available in both print and digital formats, Vividh Verse seeks to provide a unique storytelling experience in an era increasingly dominated by digital content. Each edition will bring together perspectives from artists, entrepreneurs, policymakers, innovators, educators, and social changemakers, highlighting the diverse forces shaping modern India.

SC accepts RIL's fresh request to settle gas row with Centre

New Delhi, Agency: SC on Monday accepted a fresh request from Reliance Industries Ltd, which questioned govt's $2.81 billion demand for alleged pilferage of natural gas by RIL from ONGC block in KG Basin, to resolve the dispute bilaterally with the Centre.

When the plea for conciliation was made by senior advocate Kapil Sibal, attorney general R VenkataramMedia said a fresh request was made on Monday morning by RIL and govt is willing to consider the request.

The CJI-led bench, which had a week back declined to adjourn the hearing to July, agreed to postpone the four-day-long hearing to the third week of July after the AG said govt was not averse to exploring the bilateral dispute resolution process. "We will be most happy if the dispute is resolved through conciliation. If you come out with a settlement, we will dispose of the appeal," it said.

Covid-like protocol imposed on flights from Ebola hotspots

New Delhi, Agency: Airlines flying in people to India who have been to Ebola hot zones in Africa, including the Democratic Republic of Congo (DRC) and Uganda, will now have to ensure such passengers file self-declaration forms (SDF) before arrival. Thermal screening will be done on passengers coming from the hotspots.

In a move reminiscent of Covid times, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued a protocol to prevent the potential transmission of Ebola for airlines, who will now have to shift symptomatic passengers to the rear end of aircraft.

Thane hospital conducts robotic gall bladder telesurgery using indigenous Mizo Endo 4000 platform

Thane, Agency: The Tieten Medicity Hospital successfully performed one of Thane's first robotic telesurgeries for gall bladder removal (robotic cholecystectomy) using the indigenously developed Mizzo Endo 4000 robotic surgical system.

The robotic procedure was performed through a secure 5G-enabled network with an ultra-low latency of less than 10 milliseconds. The surgery was remotely performed on the patient by Dr Pradeep Tripathi, senior consultant Dr Umang Shandilya, with the multi-disciplinary robotic surgery team. The patient, who was from Dombivli, was suffering from acute cholecystitis with symptomatic gall stones and severe abdominal pain.

Speaking about the surgery, Dr. Pradeep Tripathi, Senior Consultant - GI, Laparoscopic, Robotic & Bariatric Surgeon, Tieten Medicity Hospital, said, "This successful telesurgery demonstrates how robotic technology combined with high-speed connectivity can redefine surgical care delivery. The ability to remotely perform a complex robotic cholecystectomy with such precision reflects the future of minimally invasive surgery in India."

BJP moves to set its house in order in Karnataka

New Delhi, Agency: BJP brass has stepped in to set its house in order in Karnataka, where its state unit has been plagued by discordant voices, turning its gaze to the only southern state where the party has been in power amid the view that it has not been able to effectively exploit the "anti-incumbency" sentiments against the Congress govt despite its leadership tussle playing out in open for months at the cost of governance.

In a series of meetings with party functionaries, including MPs and MLAs besides orgMediasational office-bearers, BJP president Nitin Nabin was categorical in emphasising the need for unity.

"His main message was that everyone should work together in the party's interests and set aside any qualms over anyone's senior or junior status in view of upcoming challenges," a party functionary said, describing Nabin as hands-on and accessible.

New study detected at least 1.4L in 2025 alone; 2nd paper in Lancet flags issue in biomed journals

Bengaluru, Agency: Hallucinated citations in scientific papers have exploded since the rise of AI tools. At least 1,46,932 fabricated references generated by artificial intelligence entered the scientific record in 2025 alone, and the vast majority of those detected in preprints survived peer review into journal articles.

That is the central finding of a large-scale study by researchers at Cornell University, UCLA and UC Berkeley, who analysed 111 million citations across 2.5 million research papers published between 2020 and 2025 on arXiv, bioRxiv, SSRN and PubMed Central.

The study, titled "LLM hallucinations in the wild", tracked citations whose titles could not be verified against major academic databases including Semantic Scholar, OpenAlex and Google Scholar. By comparing post-2022 trends against pre-ChatGPT error baselines, researchers isolated the likely contribution of AI-generated hallucinations to the surge.

The numbers are stark. By Aug 2025, hallucinated citation rates had climbed to nearly 2% in SSRN papers, 0.4% in arXiv, 0.3% in PubMed Central and 0.2% in bioRxiv, with monthly fake citation estimates reaching 8,140 in PubMed Central alone.

The steepest rise began around mid-2024, roughly 18 months after ChatGPT's public release, as AI tools evolved from writing assistants into citation-generation engines.

1 in 6 rural teens under severe stress, AIIMS-linked study flags silent mental health crisis

New Delhi, Agency: One in six adolescents in rural north India reported facing a major stressful event within just six months, with academic pressure, poverty, bullying, domestic violence and family conflict emerging as major triggers behind depression, anxiety and suicidal thoughts among teenagers, according to an AIIMS-linked study that warns of a widening but largely invisible mental health crisis among Indian adolescents.

The study, published in the Indian Journal of Community Medicine, is based on interviews with 583 adolescents across 28 villages in Haryana and paints a disturbing picture of emotional distress, untreated mental illness and silent suffering among teenagers. Researchers said many adolescents accepted sadness, hopelessness and suicidal thoughts as "part of life" because they did not even know professional mental healthcare was available.

"Academic pressures remain a common stressful factor in young people's lives," the paper noted, warning that fear of failure, poor marks and school-related pressure were repeatedly linked to emotional breakdowns, school dropouts and suicidal thoughts.

The researchers documented multiple real-life accounts of teenagers struggling silently. One boy who lost his parents admitted he had lost the wish to live and had contemplated suicide but never spoke about it because he feared bringing "disrepute" to his late parents. Another teenager dropped out of school to work as a labourer after his family lost their home in a legal dispute and said he often wished he "did not exist".

The study also flagged bullying, social humiliation and family violence as major but under-recognised mental health triggers. Researchers described a teenager who avoided school games because classmates mocked his short height and another adolescent who harmed himself after repeated conflict at home and humiliation at school.

The paper warned that adolescent suicides in India are increasingly linked to examination stress, family conflict, ragging, restrictions related to mobile phones and emotional distress.